दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-345 भोपाल, मंगलवार 26 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

एक मिनट में जिंदगी नहीं बदलती पर एक मिनट सोचकर लिया गया फैसला पूरी जिंदगी बदल देता है।

अज्ञात

पंचांग

कार्तिक कृष्ण पक्ष
षष्ठी, मंगलवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:22/5:47
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	37 %
वायु (किमी/घ.)	05
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,620

शेयर सूचकांक

बीएसई	60967.05	+145.43
निफ्टी	18125.40	+10.50

प्रियंका बोलीं- उप्र में सरकार बनी तो कोई भी बीमारी हो, 10 लाख तक का मुफ्त इलाज होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 से पहले सभी पार्टियां अपने वादों और घोषणापत्रों के साथ जनता के बीच में हैं। इस कड़ी में सोमवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बड़ा ऐलान किया। प्रियंका ने ट्वीट करके कहा कि कोरोना काल में और अभी प्रदेश में फैले बुखार में सरकारी उपेक्षा के चलते उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत सबने देखी।

अंतरराष्ट्रीय यात्रा से जुड़े नियमों में बदलाव होगा

नई दिल्ली। भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए होम क्वारैंटाइन रहने की अनिवार्यता आज हटाई जाएगी। साथ ही अब एयरपोर्ट पर कोरोना टेस्टिंग कराने की जरूरत भी नहीं होगी। यह सुविधा उन्हीं यात्रियों को मिलेगी, जिनका फुल वैक्सीनेशन हो चुका है। हालांकि इन्हें कोरोना-निगेटिव सर्टिफिकेट दिखाना होगा। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसी साल 17 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर कई तरह की पाबंदियां लगाई थीं।

चीन फिर से कोरोना की चपेट में

बीजिंग। चीन के कई हिस्सों में कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन के उत्तर-पश्चिम में इनर मंगोलिया की एजिन काउंटी के लोगों को सोमवार से घर में रहने के लिए कहा गया है। एजिन की आबादी 35,700 है। इन्हें कोविड पाबंदियों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल एजिन कोरोना का हॉटस्पॉट बना हुआ है।

वानखेड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू : कोर्ट में एनसीबी डायरेक्टर बोले-

मुझे टारगेट किया जा रहा, बहन और मर चुकी मां को भी नहीं छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रूज ड्रग्स केस में मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के खिलाफ इंटरनल विजिलेंस जांच शुरू हो गई है। वानखेड़े पर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग केस में रिहा करने के लिए 25 करोड़ रुपए के लेनदेन का आरोप है। एनसीबी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल और एजेंसी के चीफ विजिलेंस ऑफिसर ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि वह खुद वानखेड़े के खिलाफ जांच की निगरानी कर रहें है। ज्ञानेश्वर सिंह से पूछा गया कि जांच के दौरान भी समीर वानखेड़े अपने पद पर बने रहेंगें या नहीं? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि हमने अभी-अभी जांच शुरू की है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। सिंह ने कहा कि एक स्वतंत्र गवाह ने एफिडेविट के जरिए सोशल मीडिया पर कुछ तथ्यों को प्रसारित किया था, उसका

संज्ञान लेते हुए महानिदेशक एनसीबी ने विजिलेंस को इंक्वायरी मार्क की है। आज जांच के आदेश हुए हैं, तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फैसला होगा। वहीं, क्रूज ड्रग्स केस में एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े सोमवार को स्पेशल NDPS कोर्ट में हुए और दो एफिडेविट दाखिल किए। वानखेड़े ने कहा कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन और स्वर्गवासी मां को भी टारगेट किया जा रहा है। उनका कहना है कि वह जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि केस को कमजोर करने के लिए सब कुछ किया जा रहा है। पंच के परिवार और पंच के बारे में जानकारी साझा कर रहे हैं, जिसके चलते उनको खतरा है।

वानखेड़े का दावा- मुझे धमकी दी जा रही

दो एफिडेविट में से एक वानखेड़े और दूसरी एनसीबी ने फाइल की है। समीर वानखेड़े ने एफिडेविट में कहा कि उन्हें धमकी दी जा रही है और जांच को प्रभावित किया जा रहा है। वहीं, एनसीबी ने एफिडेविट में कहा है कि क्रूज ड्रग्स मामले में जो स्वतंत्र पंच है, वो होस्टाइल हो रहे हैं।

वानखेड़े के सपोर्ट में आईं पत्नी क्रांति रेडकर

वानखेड़े पर उठ रही उंगलियों के बीच उनकी पत्नी क्रांति रेडकर उनके सपोर्ट में आ गई हैं। रेडकर ने ट्वीट करके कहा, जब आप लहरों के बहाव के दूसरी तरफ तैरते हैं तो हो सकता है कि आप डूब जाएं, मगर अगर भगवान आपके साथ हो तो कोई लहर इतनी बड़ी नहीं होती कि आपका कुछ बिगाड़ सके, क्योंकि सिर्फ उसे ही सच पता है। सुप्रभात। सत्यमेव जयते।

प्रभाकर सैल ने सुरक्षा की मांग रखी

प्रभाकर सैल आज मुंबई क्राइम ब्रांच के ऑफिस पहुंचे। उन्होंने जॉइंट ष्ट्रक से मुलाकात की और अपने लिए सुरक्षा मुहैया कराने की मांग रखी। मालूम हो कि प्रभाकर केपी गोसावी के बॉडीगार्ड हैं। उन्होंने समीर वानखेड़े पर 25 करोड़ रुपए की वसूली का आरोप लगाया है। सरकारी वकील अद्वैत सेतना ने प्रभाकर

एक स्वतंत्र गवाह ने सोशल मीडिया पर कुछ आरोप लगाए थे, इसके बाद NCB डायरेक्टर ने विजिलेंस को इंक्वायरी मार्क की है

ज्ञानेश्वर सिंह, DDG NCB

के पंच के तौर पर दिए गए बयान को कोर्ट में पढ़ा। उन्होंने कहा कि अगर प्रभाकर को पंच के तौर पर कुछ शिकायत करनी थी, वो कोर्ट में ऐसा कर सकता था, लेकिन उसने यह नहीं किया। प्रभाकर ने 22 दिन के बाद अलग-अलग माध्यम से अपनी शिकायत की है, जिससे निजी तौर पर अधिकारियों को टारगेट किया जा रहा है।

उप्र को मिले 9 मेडिकल कॉलेज : सिद्धार्थनगर में मोदी बोले-

पहले भ्रष्टाचार की साइकिल 24 घंटे चलती थी, अब ऐसा नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सिद्धार्थनगर और वाराणसी दौरे पर हैं। वह गोरखपुर एयरपोर्ट से सिद्धार्थनगर पहुंचे। यहां सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। यहां से पीएम मोदी ने क्को 2,329 करोड़ की लागत से बने 9 मेडिकल कॉलेजों का बटन दबाकर लोकार्पण किया। भारत माता की जय के नारों के साथ पीएम ने संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के 9 मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन हुआ है। स्वस्थ और निरोग भारत का सपना पूरा हो रहा है। आप सभी को बधाई। पीएम ने आगे कहा कि इस पवित्र धरती का आशीर्वाद लेने आया हूं। आज का दिन पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश के लिए आरोग्य की डबल डोज लेकर आया है। केंद्र व

2,329 करोड़ की लागत से बने 9 मेडिकल कॉलेजों की सौगात।

यूपी में जो सरकार है, वो अनेकों कर्मयोगियों व दशकों की तपस्या का फल है। सिद्धार्थनगर ने भी स्वर्गीय माधव प्रसाद त्रिपाठी जी के रूप में एक ऐसा समर्पित प्रतिनिधि देश को दिया, जिनका अथक परिश्रम राष्ट्र के काम आ रहा है। उन्होंने कहा कि कहा कि पहले भ्रष्टाचार की साइकिल 24 घंटे चलती रहती थी। दवाई, एंबुलेंस, नियुक्ति, ट्रांसफर पोस्टिंग में भ्रष्टाचार से क्क में एक परिवार का खूब भला हुआ। भ्रष्टाचार की साइकिल ऐसी चली कि यूपी और पूर्वांचल का सामान्य परिवार पिस गया।

माधव बाबू ने हमेशा पूर्वांचल के विकास की चिंता की

पीएम ने कहा कि माधव बाबू ने राजनीति में कर्मयोग की स्थापना के लिए पूरा जीवन खपा दिया। यूपी भाजपा के पहले अध्यक्ष के रूप में, केंद्र में मंत्री के रूप में पूर्वांचल के विकास की चिंता की। इसलिए सिद्धार्थनगर के मेडिकल कॉलेज का नाम %माधव बाबू% के नाम पर रखना, उनके प्रति सेवा भाव के प्रति सच्ची कार्यांजली है। इसके लिए सीएम योगी सरकार को बधाई देता हूं। माधव बाबू का नाम, यहां से पढ़कर निकलने वाले युवा डॉक्टरों को जनसेवा की निरंतर प्रेरणा भी देगा। यूपी और पूर्वांचल में आस्था, आध्यम और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत विस्तृत विरासत है।

लचीली अर्थव्यवस्था के लिए निष्पक्ष और मजबूत ऑडिट व्यवस्था जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि एक लचीली अर्थव्यवस्था के लिए निष्पक्ष और मजबूत ऑडिट व्यवस्था जरूरी है, क्योंकि इससे नागरिकों में भरोसा पैदा होता है। दास ने नेशनल एकेडमी ऑफ ऑडिट एंड अकाउंट्स में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऑडिट देश के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सार्वजनिक व्यय के फैसले इन्हीं रिपोर्ट पर आधारित होते हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर पहले से अधिक आर्थिक फैसले किए जा रहे हैं, इसलिए गलत जानकारी के चलते अपेक्षा से कमतर निर्णय हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार की जरूरत है और इसलिए रिजर्व बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के ऑडिट में सुधार के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ

इंडिया (आईसीएआई) की सलाह से कई कदम उठाए हैं। दास ने कहा कि आरबीआई मानक में सुधार के लिए लगातार ऑडिटिंग के हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहा है।आरबीआई गवर्नर ने बताया कि इस साल जनवरी में वाणिज्यिक बैंकों के लिए जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली को मजबूत किया गया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आरबीआई ने लचीले वित्तीय क्षेत्र के निर्माण के लिए बैंकों, एनबीएफसी में मजबूत प्रशासनिक ढांचे पर जोर दिया।

भोपाल नगर निगम के ठेकेदारों का विरोध : निर्माण कार्यों का सालों से पैमेंट अटका, गुहार के बाद भी सुनवाई नहीं

अर्धनग्न होकर करेंगे प्रदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

निर्माण कार्यों का सालों से पैमेंट अटकने से ठेकेदारों ने भोपाल नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कई बार गुहार के बाद भी सुनवाई नहीं होने पर अब वे अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करेंगे। सोमवार को माता मंदिर स्थित निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन होगा। भोपाल जोन गर्वमेंट कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन के बैनर तले

ठेकेदार यह प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के प्रवक्ता रिंकेश सिंहल ने बताया, निगम कमिश्नर समेत अन्य अधिकारियों को कई बार मौखिक और लैटर के जरिए अटका पैमेंट जारी करने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा अफसर आर्थिक हालत ठीक नहीं होने का रोना रो रहे हैं।

5 साल से करोड़ों रुपए अटके

एसोसिएशन के प्रवक्ता सिंहल ने बताया, निगम के 500 से ज्यादा छोटे-बड़े ठेकेदार हैं, जो वर्कशॉप, गार्डन, झील से लेकर सिविल वर्क करते हैं। पिछले 5 साल से अधिकांश ठेकेदारों का लगभग 300 करोड़ रुपए का पैमेंट अटका है। 2 साल से तो सुनवाई ही नहीं हो रही है। इस कारण ठेकेदारों की आर्थिक हालत खस्ता हो गई है। दीपावली पर मजदूरों को देने के लिए भी रुपए नहीं है। इसलिए सोमवार को प्रदर्शन करेंगे।

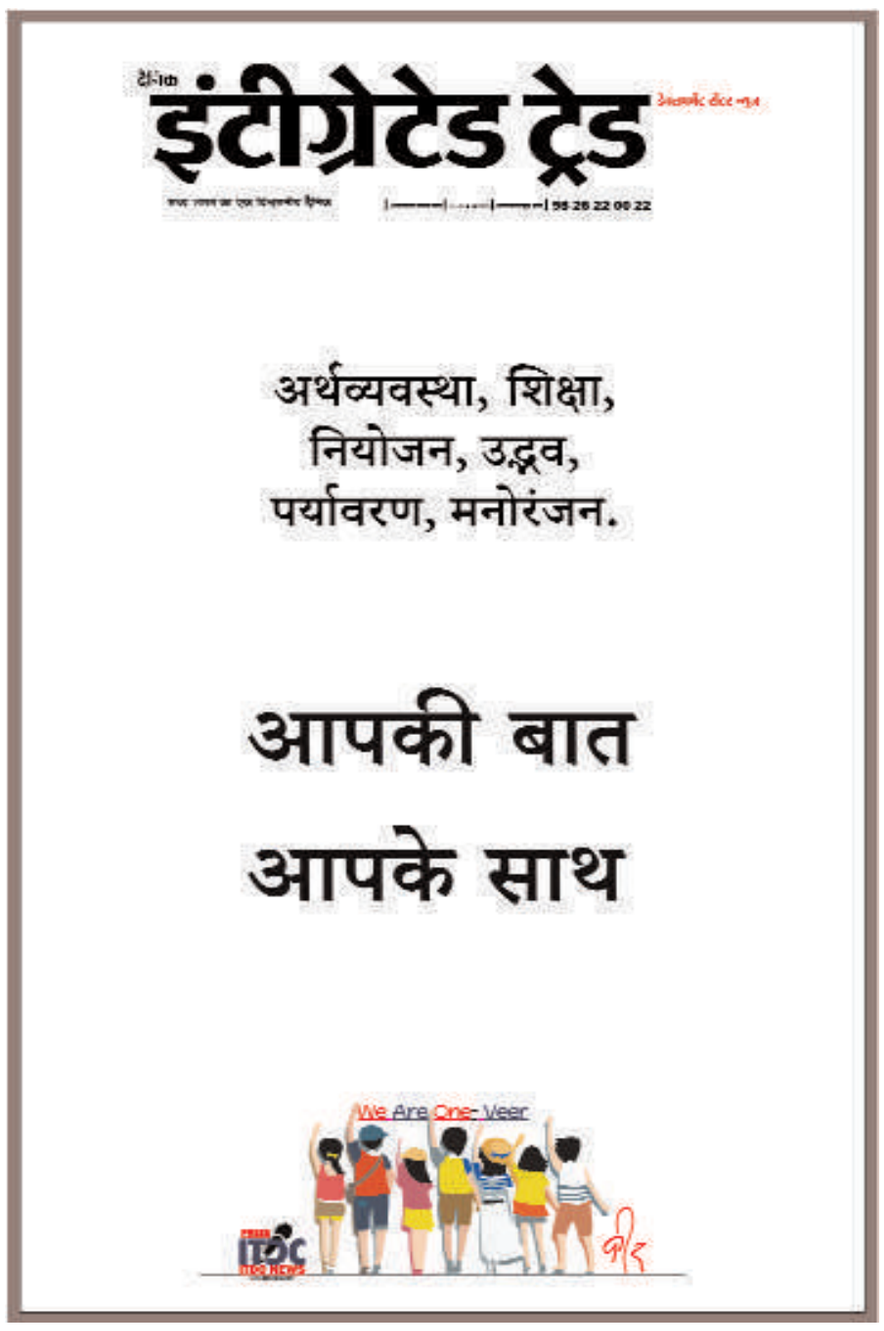

भोपाल में 24 घंटे में 4 नए केस

अक्टूबर माह में प्रदेश में आए 197 पॉजिटिव में भोपाल के 89; शहर में अभी 28 एक्टिव मरीज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजधानी भोपाल में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे है। अक्टूबर माह में प्रदेश में 197 पॉजिटिव में 89 अकेले भोपाल के है। यानी भोपाल में करीब 45 प्रतिशत केस सामने आए है। जबकि बाकी केस अन्य जिलों के है। राहत की बात यह है कि शहर में 89 मरीज ठीक भी हुए है। अभी भोपाल में 28 एक्टिव मरीज है। भोपाल में पिछले 24 दिनों में 12 बार 4 से ज्यादा केस आए है। इसमें 6 अक्टूबर को सबसे ज्यादा 11 पॉजिटिव आए थे। इसके पहले 5 अक्टूबर को 6 संक्रमित मिले थे। वहीं, 22 अक्टूबर को शहर में एक दिन में 20 कोरोना पॉजिटिव मिले थे। इसमें बैरागढ़ स्टेशन

पर इंदौर-पटना एक्सप्रेस में सवार होने वाले 16 और 4 अन्य जगह पॉजिटिव मिले थे। इसमें अधिकतर उत्तरप्रदेश और बिहार के थे। जो जांच रिपोर्ट आने के पहले ही ट्रेन में सवार होकर चले गए। प्रदेश में शनिवार को 9 कोरोना पॉजिटिव मिले थे। इसमें सबसे ज्यादा सबसे ज्यादा होशंगाबाद में 4 पॉजिटिव मिले; भोपाल में 2, इंदौर, सागर, नरसिंगपुर में 1-1 केस आया। प्रदेश में 19 से 23 अक्टूबर के बीच 10 जिलों में 49 नए पॉजिटिव मिले है। इसमें सबसे ज्यादा भोपाल में 13, धार में 10, इंदौर में 9, होशंगाबाद में 6, सागर में 5 और नरसिंगपुर में 2 संक्रमित मिले है। इसके अलावा अलावा नीमच, जबलपुर, रतलाम, राजगढ़ में 1-1 मामले आए है।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

VACANCIES

खबर की खबर

समान लिंग वाले जोड़ों की शादियों का मामला, याचिका पर 30 नवंबर को अंतिम सुनवाई

दिल्ली हाईकोर्ट समान लिंग वाले जोड़ों और स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत होने वाली शादियों को संविधान के मुताबिक लागू करने की मांग करने वाली याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 30 नवंबर को करेगा। चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

कोर्ट ने 6 जुलाई को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। एक याचिका अभिजीत अय्यर मित्रा ने दायर की है। दूसरी याचिका डॉक्टर कविता अरोड़ा और अंकिता खन्ना ने दायर की है। पिछले 8 जनवरी को कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया था। 14 अक्टूबर 2020 को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था। 14 अक्टूबर 2020 को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा था कि पूर्वी दिल्ली के एसडीएम ने उनकी शादी की अनुमति नहीं दी। यहां तक कि याचिकाकर्ताओं को एसडीएम के दफ्तर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा था कि नवतेज जोहार केस में समान लिंग वाले जोड़ों की गरिमा और निजता के अधिकार की बात कही गई है। उन्होंने कहा था कि पूर्वी दिल्ली के एसडीएम ने उनके अधिकारों का उल्लंघन किया है।

गुरुस्वामी ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने फॉरेन मैरिज एक्ट के तहत कांसुलेट से भी शादी के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था लेकिन वहां भी अनुमति नहीं दी गई। कांसुलेट ने कहा कि यह शादी दिशा-निर्देशों के मुताबिक नहीं हो सकती है। कांसुलेट जनरल को नवतेज जोहार के फैसले के बारे में भी बताया गया लेकिन नवतेज जोहार का फैसला शादी के वर्तमान कानूनों पर लागू नहीं होता है। गुरुस्वामी ने कहा कि हाईकोर्ट ने हमेशा ही भेदभाव से बचाव किया है।

डॉक्टर कविता अरोड़ा और अंकिता खन्ना पिछले आठ सालों से एक साथ रहती आ रही हैं। डॉक्टर कविता अरोड़ा पेशे से साइक्रिएटिस्ट हैं जबकि अंकिता खन्ना पेशे से थेरेपिस्ट हैं। दोनों मेंटल हेल्थ एंड लर्निंग डिसेबिलिटीज फॉर चिल्ड्रेन एंड यंग एडल्ट्स नामक क्लिनिक के लिए एक टीम का हिस्सा हैं।

दोनों ने मांग की है कि दोनों की शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत करने का दिशानिर्देश दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मैरिज अफसर को दिया जाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील अरुंधति काटजू , गोविंद मनोहरनॉ, सुरभि धर और मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि दोनों की शादी होने से न केवल एक संबंध बनेगा बल्कि दोनों परिवार एक साथ होंगे। लेकिन बिना शादी हुए दोनों कानून के मुताबिक अलग-अलग हैं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि संविधान की धारा 21 अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने की छूट देता है। ये अधिकार समान लिंग वाले जोड़े पर भी वैसे ही लागू होता है जैसे असमान लिंग वाले जोड़े पर। यह अधिकार केवल शादी से जुड़ा हुआ नहीं है बल्कि यह गरिमा और बराबरी से साथ जीने के अधिकार का भी मामला है।

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

लेखा कारणों से घटे ग्राहकः जियो

रिलायंस जियो ने कहा है कि दूसरी तिमाही में 1.1 करोड़ ग्राहकों का नुकसान महज लेखांकन सुधार के कारण दिखा था और कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर उसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं रहा। जियो हाल में खरीदे गए स्पेक्ट्रम को चालू करते हुए नए ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने की रफ्तार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष किरण थॉमस ने कहा कि कंपनी 2जी सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों को लक्ष्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जियो सबसे पसंदीदा दूरसंचार सेवा प्रदाता बन गई है और उसके नेटवर्क पर पोर्ट कराने वाले ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि जेफरीज और जेएम फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने कहा कि दूसरी तिमाही में जियो को हुए ग्राहकों का नुकसान निराशाजनक रहा। जेफरीज ने दूसरी तिमाही में कमजोर प्रदर्शन के मद्देनजर वित्त वर्ष 2022-24 के लिए जियो के राजस्व, एबिटा और मुनाफा अनुमान में कटौती की है। दोनों ब्रोकरेज का मानना है कि यदि ग्राहकों की संख्या में गिरावट का रुख बरकरार रहा तो जियो अपना ग्राहक आधार सुदृढ़ करने के लिए शुल्क वृद्धि की होड़ में शामिल नहीं होगी। जियो ने पिछली तीन तिमाहियों के दौरान 3.4 करोड़ नए ग्राहक जोड़े हैं लेकिन दूसरी तिमाही के दौरान उसके ग्राहकों की संख्या में क्रमिक आधार पर उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी ने दूसरी तिमाही के दौरान 1.1 करोड़ ग्राहकों के नुकसान के लिए कोविड-19 के प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी तिमाही के अंत में जियो के ग्राहकों की संख्या 42.95 करोड़ थी। कंपनी ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान बड़ी तादाद में निचले तबके के ग्राहकों को मुफ्त सेवाओं की पेशकश की गई थी लेकिन वे समय पर रीचार्ज कराने में विफल रहे। थॉमस ने कहा, %ऐसे ग्राहकों को 90 दिनों तक ग्राहक आधार में बरकरार रखने की हमारी नीति है। इसलिए दो तिमाही पहले रीचार्ज बंद कर चुके ग्राहकों का वास्तव में कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि ग्रहकों की संख्या में गिरावट के तौर पर उसकी झलक अब दिख रही है।

गलती से किसी और के बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर हो गए; तो रकम वापस मिलेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एक बैंक से दूसरे बैंक अकाउंट में रकम ट्रांसफर करना असान हो गया है। फोनपे, गूगल पे, अमेजन पे और इंटनेट बैंकिग जैसे कई पेमेंट ऐप के होने से डिजिटल ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी हुई है। कई बार बैंक अकाउंट में मनी ट्रांसफर करते समय गलती से बैंक अकाउंट नंबर गलत इंटर हो जाने पर गलत अकाउंट में रकम ट्रांसफर हो जाती है। इसी को देखते हुए आज हम आपको कुछ नेटबैकिंग टिप दे रहे हैं कि अगर आपके साथ ऐसा हो जाए तो आपको क्या करना चाहिए। तो आइए जानते हैं....

सबसे पहले बैंक को इस बारे में जानकारी दें

अगर भूल से आपने दूसरे ०?यक्ति के बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं तो सबसे पहले अपने बैंक को इसकी सूचना फोन या ईमेल से दें। बेहतर यह रहेगा कि आप जल्द से जल्द ब्रांच मैनेजर से मिलें। इस बात को समझिए कि जिस बैंक के खाते में आपने पैसे ट्रांसफर किए हैं, सिर्फ वही बैंक इस मसले को सुलझा सकता है। अपने बैंक को भूल से हुए ट्रांजेक्शन के बारे में डिटेल्स में जानकारी दें। इसमें ट्रांजेक्शन की तारीख और समय, अपना अकाउंट नंबर और जिस अकाउंट नंबर में भूल से पैसे ट्रांसफर हुए हैं आदि शामिल हैं।

बैंक को जल्द से जल्द कदम उठाना होगा गलती से अमाउंट ट्रांसफर वाले ज्यादातर मामलों में रिसीवर पैसे लौटाने को तैयार हो जाता है। लेकिन अगर वह पैसे लौटाने से मना कर दे तो आप उसके खिलाफ केस दर्ज कर सकते हैं। आप अपनी तरफ से भी ऐसे मामलों में लीगल एक्शन लेने का अधिकार रखते हैं। आप बैंक से शिकायत दर्ज करा कर लीगल एक्शन ले सकते हैं। RBI के गाइडलाइन के अनुसार अगर गलती से पैसे किसी दूसरे के खाते में जमा हो जाते हैं तो आपके बैंक को जल्द से जल्द कदम उठाना होगा। बैंक को गलत खाते से पैसे को सही खाते में लौटाने की व्यवस्था करनी होगी।

वापस पा सकते हैं रकम

अगर आपने जिस बैंक खाते में पैसा ट्रांसफर किया है, वो अकाउंट नंबर ही गलत है या ङ्खस्नस्ष्ट कोड गलत है, तो पैसा अपने आप ही आपके खाते में आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है तो अपने बैंक ब्रांच में जाकर ब्रांच मैनेजर से मिलें। उसे इस गलत ट्रांजेक्शन के बारे में बताएं। ये जानने की कोशिश करें कि पैसे किस बैंक के खाते में गए हैं। अगर किसी दूसरे बैंक के खाते में पैसे गलती से ट्रांसफर हुए हैं तो रकम वापसी में ज्यादा समय लग सकता है। कई बार तो बैंक इस तरह के मामलों के निपटारे में 2 महीने तक का समय भी लगा सकते हैं। आप अपने बैंक से यह पता कर सकते हैं कि किस शहर की किस ब्रांच के किस अकाउंट में पैसा ट्रांसफर हुआ है। उस ब्रांच में बात करके आप रकम वापस ले सकते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट करते समय इन बातों को जरूर रखें ध्यान

पैसे ट्रांसफर करते वक्त रिसीवर का बैंक अकाउंट नंबर दोबारा चेक कर लें।

जल्दबाजी में बैंक अकाउंट नंबर डालते वक्त गलती से एक भी डिजिट इधर-उधर हो जाने पर आपका पैसा गलत अकाउंट में ट्रांसफर हो सकता है।

पैसे भेजने के पहले अकाउंट बेनीफिशियरी एड करें, ताकि आपको बार-बार ट्रांसफर करने में सहुलियत हो।

पहली दफा दूसरे के अकाउंट में पैसे भेजने की शुरूआत कम राशि से करें, ताकि अगर पैसे गलत अकाउंट में चल जाएं तो नुकसान कम से कम हो।

ओला इलेक्ट्रिक हाइपर चार्जर लॉन्च

ओला स्कूटर की बैटरी को केवल 18 मिनट में 0 से 50 फीसदी तक चार्ज कर देगा

भाविश ने शेयर की तस्वीर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओला इलेक्ट्रिक ने 10 नवंबर को टेस्ट राइड की शुरुआत से पहले अपने इलेक्ट्रिक S1 स्कूटर को चार्ज करने के लिए अपना पहला हाइपरचार्जर लॉन्च करने की घोषणा की है। ईवी कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल ने ट्विटर पर यलो कलर की स१ ई-स्कूटर की तस्वीरें हाइपरचार्जर से चार्ज करते हुए शेयर की हैं।

ट्विटर पोस्ट में शेयर की तस्वीर

अग्रवाल ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा है कि पहला @OlaElectric हाइपरचार्जर लाइव हो गया... मॉर्निंग ट्रिप के बाद मेरे स१ को चार्ज करना। कंपनी ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने हाइपरचार्जर सेटअप के तहत अपने ग्राहकों के लिए चार्जिंग सपोर्ट बनाएगी। स्कूटर को चार्ज करने के लिए कंपनी 400 भारतीय शहरों में 100,000 से ज्यादा स्थानों/टचप्वाइंट में हाईपरचार्जर को लगाएगी।

18 मिनट में 75 किमी की रेंज

ये हाइपरचार्जर ओला इलेक्ट्रिक के स्कूटर की बैटरी को केवल 18 मिनट में 0 से 50 फीसदी तक चार्ज कर देते हैं। इससे यह 75 किमी की हाफ साइकिल रेंज के लिए फिट हो जाएगी। कंपनी की वेबसाइट में किस शहर में चार्जर लगाया जाएगा उसकी पूरी लिस्ट दी गई है और टियर ढ्ढ और टियर ढ्ढढ्ढ के ज्यादातर शहर इसके चार्जिंग नेटवर्क के तहत कवर किए जाएंगे। हाइपरचार्जर स्टेशनों को एक बहुस्तरीय लेआउट मिलेगा ताकि एक साथ कई ग्राहकों का समर्थन किया जा सके।

ओला S1 की कीमत 1 लाख रुपए होगी

पहले हाइपरचार्जर का रोल आउट ओला इलेक्ट्रिक स१ और स१ प्रो स्कूटरों के लिए टेस्ट राइड की शुरुआत से कुछ दिन पहले आता है, दोनों को 15 अगस्त को लॉन्च किया गया था। ओला S1 की कीमत 1 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है और सिंगल चार्ज पर इसकी अनुमानित रेंज लगभग 120 किलोमीटर है।

यह 10 कलर ऑप्शन मिलती है और 3.97 kWh बैटरी पैक के साथ जोड़े गए 8.5 kW इलेक्ट्रिक मोटर से पावर मिलती है। स१ प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल चार्ज पर 180 किलोमीटर की ज्यादा की रेंज के साथ आता है, और इसके बड़े बैटरी पैक की वजह से इसकी कीमत ? 1.30 लाख रखी गई है। यह 115 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड के साथ आता है।

जीडीपी का 6.8 प्रतिशत रह सकता है घाटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान (बीई) के स्तर पर रह सकता है। बजट अनुमान में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कर संग्रह तेजी से बढ़ा है, लेकिन संभवत- यह घाटे का अंतर पाटने में सक्षम नहीं होगा। बजट में राजकोषीय घाटा 15.07 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया था। अधिकारी ने कहा कि इस लक्ष्य में कोई बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि केंद्र सरकार सब्सिडी पर व्यय खासकर खाद्य व उर्वरक सब्सिडी बढ़ा सकती है। इस बढ़ोतरी की संभावना प्राथमिक रूप से इसलिए नजर आ रही है क्योंकि मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि नवंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। साथ ही उर्वरक के कच्चे व तैयार माल के अंतरराष्ट्रीय दाम में तेजी आई है, जिसकी वजह से वित्त वर्ष 22 में अब तक बजट अनुमान से ऊपर दो बार सब्सिडी समर्थन बढ़ाना पड़ा है। बहरहाल अर्थशास्त्रियों का मानना है कि शुरुआत में राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य रखा गया था, उसकी तुलना में घाटा कम से कम आधे प्रतिशत कम रहेगा। भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्यकांति घोष ने कहा, %केंद्र का राजकोषीय घाटा, जिसमें अप्रैल-अगस्त के दौरान कमी देखी गई है, उम्मीद है कि बजट में रखे गए लक्ष्य से कम रहेगा और यह जीडीपी के 6.2 से 6.3 प्रतिशत के बराबर रह सकता है। सरकार द्वारा बजट का लक्ष्य पूरा कर लिए जाने की संभावना और पेट्रोलियम पर बजट अनुमान से ज्यादा उत्पाद कर संग्रह की वजह से ऐसा संभव है।

बीपीसीएल के निजीकरण की राह में ईंधन के दाम की बाधा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का विनिवेश ईंधन के दाम की कठिनाई की वजह से प्रभावित हो रहा है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक अप्रत्यक्ष प्रशासित मूल्य व्यवस्था बीपीसीएल के संभावित क्षमतावान खरीदारों पर असर डाल रही है। तेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री में नुकसान उठाती हैं, जो देश के 3 प्रमुख लोकप्रिय पेट्रोलियम उत्पाद हैं। अधिकारी ने कहा, %कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर कंपनियां बाद में इस नुकसान की भरपाई कर सकती हैं। दिल्ली में पेट्रोल का खुदरा मूल्य करीब 105 रुपये लीटर और डीजल का 94 रुपये लीटर है। तेल कंपनियां इस समय घाटे का बोझ उठा रही हैं और उनका मौजूदा विपणन मुनाफा 3-4 रुपये प्रति लीटर कम हो गया है। वहीं 884.50 रुपये प्रति सिलिंडर (14.2 किलो) पर तेल विपणण्न कंपनियों को करीब 100 रुपये प्रति सिलिंडर नुकसान हो रहा है। कीमतों में नरमी के बावजूद इस समय इन पेट्रोलियम उत्पादों को सबसे महंगे भाव पर बेचा जा रहा है। देश में वाहन ईंधन की कीमत का बड़ा हिस्सा राज्य व केंद्र के कर के रूप में जाता है। दिल्ली में 1 अक्टूबर को जब पेट्रोल 101.89 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.17 रुपये प्रति लीटर था, कर छोड़कर पेट्रोल की कीमत 41.63 रुपये और डीजल की कीमत 42.58 रुपये प्रति लीटर थी। प्रभावी रूप से खरीदार वाहन ईंधन का दोगुने से ज्यादा दाम दे रहे हैं, जो केंद्र व राज्यों के कर की वजह से है। पेट्रोल व डीजल की कीमत आधिकारिक रूप से विनियमित कर दी गई है, वहीं केंद्र सरकार सरकारी कंपनियों पर नजर रखती है, जिससे कीमतों पर नियंत्रण रहे।

त्योहारों में कारों की बुकिंग में भारी उछाल

ग्राहकों को करना पड़ सकता है लंबा इंतजार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

चिप की कमी के कारण ऑटोमोबाइल उद्योग एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां कारों की मांग अधिक है। चिप की कमी के कारण निर्माताओं को उत्पादन कम करना पड़ रहा है, जबकि नए लॉन्च किए गए मॉडल के साथ-साथ लोकप्रिय बिक्री वाले मॉडल के लिए त्योहारों के सीजन में भारी मात्रा में बुकिंग आ रही है। हालत यह है कि ग्राहकों के लिए प्रतीक्षा सूची की अवधि अगले कुछ महीनों में बढ़ती जाएगी। हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस और मारुति सुजुकी स्विफ्ट जैसे हॉट-सेलिंग मॉडल की उच्च मांग देखी जा रही है। उनके अलावा पिछले दो-तीन महीनों में लॉन्च की गई कारों की भारी बुकिंग जारी है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि कार निर्माता उन्हें कब डिलीवर कर पाएंगे।

थार के लिए करना पड़ता है लंबा इंतजार

एक कार निर्माता ने बताया कि महिंद्रा की ङ्क्ष्700 स्ङ्क बुकिंग 7 अक्टूबर को शुरू हुई थी और दो हफ्तों में ही संख्या 65,000 से अधिक जा पहुंची थी। पांच और सात-सीट कॉन्फ़िगरेशन दोनों में उपलब्ध ङ्क्ष्700 की कीमत 12.49 लाख रुपये से शुरू होती है। इसी तरह पिछले साल अक्टूबर में लांच हुई थार की कीमत 12.49 लाख रुपये से शुरू होती है। इसकी बुकिंग भी 75,000 से अधिक हो चुकी है। थार वास्तव में सबसे लंबी प्रतीक्षा अवधियों में से एक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) का कहना है कि कि थार डीजल की प्रतीक्षा अवधि 9-11 महीने है, और थार पेट्रोल की 3-4 महीने है।

खाद्य तेल के भंडार की सीमा पर राज्यों के साथ बैठक करेगा केंद्र

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान मांग में होने वाली वृद्धि को ध्यान में रखते हुए वह खाद्य तेलों की कीमतों पर नजर रखे हुए है और 25 अक्टूबर को एक बैठक कर भंडार रखने की सीमा के अपने आदेश पर राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा के लिए राज्यों के साथ एक वर्चुअल बैठक करेगा। गौरतलब है कि केंद्र ने गत 10 अक्टूबर को घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने और

उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए, कुछ आयातकों और निर्यातकों को छोड़कर खाद्य तेलों और तिलहनों के व्यापारियों पर 31 मार्च तक के लिए भंडारण सीमा तय कर दी थी। राज्य सरकारों और केंद्र शासित क्षेत्रों को अपने यहां उपलब्ध भंडार और खपत के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए खाद्य तेलों और तिलहन पर लगाए जाने वाले भंडार की सीमा तय करने के लिए कहा गया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोमवार, 25 अक्टूबर, 2021 को सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के साथ बैठक करेगा। सभी राज्यों को लिखे गए पत्र में केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने शुक्रवार को कहा था कि विभाग ने केंद्र द्वारा की गई पहल पर कदम उठाए हैं, जिससे कि त्योहारों के दौरान ग्राहकों को राहत मिल सके। बयान में कहा गया था कि विभाग खाद्य तेलों की कीमतों और साथ ही घरेलू आपूर्ति की निगरानी कर रहा है। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं। वहीं शुक्रवार को सरसों तेल की औसत कीमत 185.55 रुपये प्रति किलो, मूंगफली तेल 182.86 रुपये प्रति किलो, सूरजमुखी तेल 168.21 रुपये किलो, सोया तेल 154.91 रुपये किलो, वनस्पति 138.31 रुपये किलो, पाम ऑयल 132.64 रुपये किलो बिक रहा था।

प्रियंका का दलित, महिला अजेंडा

पुलिस, टीचर में पचास प्रतिशत महिला आरक्षण होना चाहिए। सब दलों को इस पर विचार करना चाहिए। और दोनों नौकरियां राज्य सरकारों के पास होती हैं। इसलिए जो भी राज्य सरकार खुद को महिला सशक्तिकरण का समर्थक बता रही है। उसे अपने यहां तत्काल यह लागू कर देना चाहिए। कांग्रेस के पास भी तीन राज्य सरकारें राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ हैं। प्रियंका वहां भी कह सकती हैं! मशहूर शायर अदम गोंडवी के शेर का यह मिसरा बहुत क्रान्तिकारी माना जाता है, मैं चमारों की गली में ले चलूंगा आपको! गौर कीजिए कि इसमें एक प्रगतिशील शायर भी चमारों की गली तक की ही बात कर रहा है। वाल्मिकियों की गली या मोहल्ले की नहीं। जाटव समाज की बस्तियां शहर से लगी होती हैं। परकोटे के ठीक बाहर सड़क के दोनों ओर। वहां आमतौर पर लोगों का आना जाना होता है। लेकिन वाल्मिकी समाज, सफाईकर्मियों की बस्ती शहर से काफी दूर अलग थलग रखी जाती थी। वे आकर शहर साफ करें और वापस अपने दायरे में चले जाएं। हमारे समाज में जाति व्यवस्था सीढ़ी दर सीढ़ी है। दलितों में भी जातिगत ऊंच-नीच है। हमारी सोच भी चाहे कितना ही प्रगतिशील हो उसमें अनायास जातिगत दुराव या थोड़ा बचने की प्रवृति आ ही जाती है। मुश्किल डिक्लास (अपने उच्चवर्गीय अहंकार को छोड़कर सबसे गरीब के साथ खड़ा होना) होना भी है। मगर फिर भी प्रगतिशील चेतना रखने वाले बहुत से लोग डिक्लास होते हैं। लेकिन डिकास्ट (जाति के श्रेष्ठागत दंभ से मुक्त होकर सबसे दमित जाति के साथ खुद को जोड़ना) होना तो बहुत ही मुश्किल है। बड़े-बड़े दलित, ओबीसी नेताओं, विचारकों को भी यहां फेल होते देखा। हम यह कहते हैं कि भारत में सबसे मुश्किल काम डिकास्ट होना है। जाति व्यक्ति के रेशे-रेशे तक इस कदर भरी हुई है कि वह चाहकर भी इससे मुक्त नहीं हो पाता। लेकिन यहीं हम यह भी कहेंगे कि अभी जिसने आगरा में अरुण वाल्मिकी की मां, पत्नी, बच्चों को गले लगाती प्रियंका गांधी को देखा है वह मान गया होगा कि भारत में इससे पहले ऐसे दृश्य पहले कभी नहीं देखे गए। सफाईकर्मियों को गले लगाते, उनका दर्द बांटते प्रियंका ने वह सारे अवरोधक तोड़ दिए जो हमारी चेतना में सदियों से जमे हुए थे। भारतीय राजनीति का यह नया अध्याय था। दलित और महिला दो हमारे यहां ऐसे वर्ग हैं जिनके मामलों में हम सबसे ज्यादा क्रूर, द्वेष भाव रखते हैं। इन दोनों के विरोध में अलग-अलग सोच विचार के लोगों में गजब की एकता भी बन जाती है। दलित के मामले में जैसा आम सवर्ण व्यवहार करते हैं, वैसा ही ओबीसी भी। और महिला के मामले में सवर्ण, ओबीसी, दलित सबकी सोच एक जैसी हो जाती है। मजेदार यह है कि इन दोनों मामलों में हिन्दू-मुसलमान लगभग एक जैसा ही सोचते हैं। दलित और पिछड़ों के मामले में मुसलमानों की सोच कमोबेश वही होती है जो सवर्ण हिन्दुओं की। इसी तरह जब महिलाओं को अधिकार देने की बात आती है तो इसके विरोध में हिन्दू-मुसलमान एक ही मंच पर आ जाते हैं। हम हमेशा से कहते आए हैं कि संघ और भाजपा का मुसलमान विरोध राजनीतिक है। असल में वे अपना शत्रु तो दलित, ओबीसी और महिला को मानते हैं। इन तीनों का सशक्तिकरण उनके यथास्थितिवाद को बनाए रखने की कोशिशों को चोट पहुंचाता है। लेकिन ध्रुवीकरण होता है मुसलमान के खिलाफ माहौल बनाने से। इसलिए निशाने पर मुसलमान होता है। अगर बीच से मुसलमान हट जाए तो दलित, ओबीसी, महिला सीधे निशाने पर होंगे। मुसलमान इनकी ढाल बन जाता है। लेकिन जब मामला आंतरिक होता है तो सीधे दलित, ओबीसी, महिला पर चोट की जाती है। और यही वह आश्चर्य और दुःख होता है जब मुसलमानों का बड़ा वर्ग भी दलित, ओबीसी और महिलाओं के खिलाफ खड़ा दिखता है। प्रियंका गांधी ने आधी रात को आगरा पहुंचकर जिस तरह पुलिस हिरासत में मारे गए अरुण वाल्मिकी के साथ किए गए बर्बर व्यवहार को जाना, उनके परिवार पर ढाए गए जुल्मों को जाना और फिर सबके सामने लाईं वह इस मामले में असाधारण काम था कि अगर पुलिस से लड़- भिड़कर प्रियंका वहां नहीं जाती तो वाल्मिकी परिवारों पर हुआ यह जुल्म लोगों के सामने आ ही नहीं पाता। दो दिन तक बात दबी रही। परिवार रोता रहा। आगरा के वाल्मिकियों में ही गुस्सा भरता रहा। मगर प्रियंका के वहां जाने की कोशिशों उन्हें रोकने, हिरासत में लेने की खबरों और फिर आधी रात को प्रियंका के वहां पहुंचकर परिवार को 30 लाख रुपए और हर तरह की सहायता की घोषणा के बाद ही सब जगह हलचल मची। यह अलग बात है कि फिर भी दलितों की सबसे बड़ी नेता होने का दावा करने वाली मायावती और अन्य पिछड़े वर्ग के नेता होने का गुमान पाले अखिलेश यादव वहां नहीं गए। लखीमपुर, हाथरस, सोनभद्र कहीं भी नहीं गए।

संपादकीय

एनसीबी पर गंभीर आरोप

मशहूर अभिनेता शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान की क्रूज पार्टी में ड्रग्स लेने पर गिरफ्तारी की जब खबरें आईं थीं, तो इसमें कई पूर्वाग्रह शामिल थे। मसलन, अमीरों की पार्टी में किस तरह नशे का लेन-देन किया जाता। नामी-गिरामी लोगों के बच्चे कैसे बिगड़े हुए होते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में किस तरह लोग नशे के आदी हैं। 3 अक्टूबर को हुई इस घटना को बहुत से लोगों ने दो बेटों को कारनामे की तरह भी पेश किया था, क्योंकि 3 अक्टूबर को ही लखीमपुर खीरी में आशीष मिश्रा पर किसानों पर गाड़ी चढ़ाने का आरोप भी लगा था। कुछ लोगों ने तब ये सवाल उठाया था कि आर्यन को तो फौरन गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन आशीष गिरफ्त से बाहर क्यों है। उपदेश देने में माहिर कुछ समाजसेवी किस्म के लेखकों ने आर्यन के हवाले से मां-बाप को सचेत रहने की नसीहत दे दी थी। इन फौरी प्रतिक्रियाओं से यही तस्वीर बन रही थी कि एक सफल और रईस आदमी के बेटे और उसके कुछ साथियों को पार्टी में ड्रग्स लेते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने छापेमारी में पकड़ा है, ये कार्रवाई वैसी ही है, जैसे पहले की कई रेव पार्टियों में हो चुकी है। आर्यन खान को इस मामले में अब तक जमानत नहीं मिली है, 26 तारीख को हाईकोर्ट में इसकी सुनवाई होगी। लेकिन अब इस मामले के कई अनसुलझे

तार सामने आ रहे हैं, जिनसे सवाल एनसीबी पर उठ रहे हैं। आर्यन खान मामले में एनसीबी पर 3 अक्टूबर से ही सवाल उठ रहे थे, क्योंकि आर्यन खान को गिरफ्तार करने के बाद ये पता चल गया था कि उन्होंने न ड्रग्स का सेवन किया, न किसी से खरीदा। फिर भी उन्हें हिरासत में रखा गया। आर्यन खान के साथ एक व्यक्ति की सेल्फी वायरल हुई, तो उस पर भी सवाल उठे कि एनसीबी का कोई कर्मचारी इस तरह किसी अभियुक्त के साथ सेल्फी कैसे ले सकता है। बाद में इस आदमी की पहचान किरण गोसावी के रूप में हुई और ये भी पता चला कि गोसावी एनसीबी का कर्मचारी नहीं है, बल्कि एक निजी जासूस के तौर पर काम करता है। तो फिर सवाल ये उठा कि कोई बाहरी व्यक्ति एनसीबी के कार्रवाई में शामिल क्यों है। और आर्यन खान का हाथ पकड़ कर ले जाने और उसके साथ सेल्फी लेने की इजाजत उसे किसने दी। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े और डीडीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने दावा किया है कि वो उनका पंच गवाह है और ऐसे और भी गवाहों की मदद केस में ली गई है।

एनसीबी जिसे पंच गवाह बता रही थी, उस गोसावी के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी के कम से कम 4 मामले इस के बाद दर्ज हुए और अब गोसावी कहां है, कुछ पता नहीं। या तो गोसावी खुद फरार हो गया है या उसे भगाने में किसी ने मदद की है। अब ये मामला और संगीन हो गया है क्योंकि खुद को गोसावी का अंगरक्षक बताने वाले प्रभाकर सैल नाम के व्यक्ति ने हलफनामा दायर कर ये डर जतलाया है कि एनसीबी गोसावी की तरह उसे भी गायब कर देगी या मार देगी। प्रभाकर का कहना है कि 2 अक्टूबर की सुबह 7ः30 बजे से 3 अक्टूबर की शाम तक इस मामले में जो भी हुआ वह इसका गवाह है। प्रभाकर ने पूरे विस्तार से घटनाक्रम के सभी बिंदुओं का उल्लेख हलफनामे में किया है और बताया है कि कैसे उसे एनसीबी के दफ्तर के बाहर बुलाया गया, फिर क्रूज एरिया ले जाया गया। उसे फोन पर कुछ लोगों की तस्वीरें भेजकर कहा गया कि इनमें से कोई क्रूज पर चढ़ता दिखे तो वह इसकी जानकारी गोसावी और उसके साथ आए एनसीबी के लोगों को दे। किस तरह आर्यन खान को एनसीबी दफ्तर लाया गया और फिर प्रभाकर से 10 पन्नों पर हस्ताक्षर लिए गए, जो पूरी तरह खाली थे। प्रभाकर ने ये आरोप भी लगाया है कि इस गिरफ्तारी के बाद एनसीबी से बाहर आकर कार में बैठक गोसावी ने 25 करोड़ लेने की बात सैम डिसूजा नामक शख्स से की, फिर 18 करोड़ में बात पक्की कर आठ करोड़ समीर वानखेड़े को देने की बात भी हुई। बाद में इस बातचीत में शाहरूख खान की मैनेजर पूजा डडलानी को भी शामिल किया गया। प्रभाकर के इस हलफनामे से कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। क्योंकि अब ये प्रकरण ड्रग्स का नहीं, बल्कि सीधे-सीधे अपहरण और उगाही की तरफ इशारा करता है, जिसमें एनसीबी जैसी एजेंसी का नाम भी शामिल है। एनसीबी के अधिकारी इन बातों को गलत बता रहे हैं। समीर वानखेड़े का कहना है कि वो अदालत में इसका जवाब देंगे। लेकिन यह विचारणीय है कि आखिर इस घटना के इतने दिनों बाद प्रभाकर सैल ने ये आरोप क्यों लगाए। कुछ दिनों पहले तक एनसीबी की मदद कर रहा गोसावी आखिर एकदम से गायब कैसे हो गया। अगर किसी को फंसा कर वसूली की नीयत से यह गिरफ्तारी हुई है, तो मुंबई पुलिस को स्वत- संज्ञान लेकर मामले की जांच शुरु करना चाहिए।

क्या गांधी ने सावरकर से दया याचिका प्रस्तुत करने के लिए कहा था?

सावरकर 2.0 का जन्म उन्हें कालापानी की सज़ा सुनाये जाने के बाद हुआ। कालापानी की सज़ा का अर्थ था अंडमान स्थित जेल की अत्यंत कठिन और अमानवीय परिस्थितियों में जीवन गुज़ारना। इसी जेल में रहते हुए सावरकर ने हिंदुत्व और हिन्दू राष्ट्र की विचारधाराओं का विकास किया और इसी दौरान उन्होंने जेल से रिहा होने के लिए कई दया याचिकाएं सरकार को भेजी। अब तक तो उनके अनुयायी यही मानने को तैयार नहीं थे कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार से माफ़ी मांगी थी और उन्हें रिहा करने की प्रार्थना की थी। परन्तु जैसे-जैसे एक क्रान्तिकारी और हिंदुत्व की राजनीति के मुख्य चिन्तक के तौर पर उनकी छवि को चमकाने के लिए पुस्तकें लिखी जाती गईं, वैसे-वैसे यह छुपाना मुश्किल होता गया कि उन्होंने सरकार से माफ़ी मांगीं थी।

अब तक तो उनके अनुयायी यही मानने को तैयार नहीं थे कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार से माफ़ी मांगी थी और उन्हें रिहा करने की प्रार्थना की थी। परन्तु जैसे-जैसे एक क्रान्तिकारी और हिंदुत्व की राजनीति के मुख्य चिन्तक के तौर पर उनकी छवि को चमकाने के लिए पुस्तकें लिखी जाती गईं, वैसे-वैसे यह छुपाना मुश्किल होता गया कि उन्होंने सरकार से माफ़ी मांगीं थी। अब सवाल यह था कि एक क्रान्तिकारी भला एक के बाद एक कई दया याचिकाएं कैसे प्रस्तुत कर सकता था? हिन्दू राष्ट्रवाद अपने नये नायकों को गढ़ने और पुरानों की छवि चमकाने का हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके लिए कई स्तरों पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। हाल में 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के जयकारों की बाढ़ आ गई थी। अब गोडसे के गुरु सावरकर चर्चा का विषय हैं। उनकी शान में कसीदे काढ़ते हुए किताबें लिखी जा रही हैं और इन किताबों के विमोचन के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। अपने जीवन के शुरूआती दौर में सावरकर ब्रिटिश-विरोधी क्रान्तिकारी थे और अपने अनुयायियों को अंग्रेज अधिकारियों के खिलाफ हथियार उठाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। वे सावरकर 1.0 थे।

सावरकर 2.0 का जन्म उन्हें कालापानी की सज़ा सुनाये जाने के बाद हुआ। कालापानी की सज़ा का अर्थ था अंडमान स्थित जेल की अत्यंत कठिन और अमानवीय परिस्थितियों में जीवन गुज़ारना। इसी जेल में रहते हुए सावरकर ने हिंदुत्व और हिन्दू राष्ट्र की विचारधाराओं का विकास किया और इसी दौरान उन्होंने जेल से रिहा होने के लिए कई दया याचिकाएं सरकार को भेजी। अब तक तो उनके अनुयायी यही मानने

को तैयार नहीं थे कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार से माफ़ी मांगी थी और उन्हें रिहा करने की प्रार्थना की थी। परन्तु जैसे-जैसे एक क्रान्तिकारी और हिंदुत्व की राजनीति के मुख्य चिन्तक के तौर पर उनकी छवि को चमकाने के लिए पुस्तकें लिखी जाती गईं, वैसे-वैसे यह छुपाना मुश्किल होता गया कि उन्होंने सरकार से माफ़ी मांगीं थी। अब सवाल यह था कि एक क्रान्तिकारी भला एक के बाद एक कई दया याचिकाएं कैसे प्रस्तुत कर सकता था? क्रांतिधर्मिता और हाथ पसारने के बीच तालमेल कैसे बैठाया जाए? इसके लिए गोयबेल्स की तकनीक अपनाई गई। इसी तारतम्य में भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उदय माहुरकर और चिरायु पंडित द्वारा लिखित पुस्तक %वीर सावरकर ः द मैन हू कुड हैव प्रिवेंटिड पार्टीशन% के विमोचन के अवसर पर एक ऐसा वक्तव्य दिया जो सच से मीलों दूर है।

श्री सिंह ने कहा, सावरकर के बारे में अनेक झूठ कहे गए... कई बार यह कहा गया कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार को अनेक दया याचिकाएं भेजीं। परन्तु सच यह कि उन्होंने (जेल से) अपनी रिहाई के लिए कोई दया याचिका नहीं प्रस्तुत की। किसी भी बंदी को दया याचिका प्रस्तुत करने का हक होता है। महात्मा गांधी ने उनसे दया याचिका प्रस्तुत करने के लिए कहा था। उन्होंने गांधीजी की सलाह पर एक दया याचिका प्रस्तुत की थी। महात्मा गांधी ने यह अपील की थी कि सावरकरजी को रिहा किया जाए। उन्होंने यह चेतावनी भी दी थी कि उनके राष्ट्रीय योगदान का अपमान सहन नहीं किया जायेगा।%

सच क्या है? सावरकर को 13 मार्च 1910 को गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने नासिक के कलेक्टर जैक्सन की हत्या के लिए पिस्तौल भेजी थी। यह सही है कि जेल में हालात अत्यंत ख़राब थे। यह भी सही है कि दया याचिका प्रस्तुत करना हर बंदी का अधिकार होता है। ये याचिकाएं स्वास्थ्य सम्बन्धी, पारिवारिक या अन्य आधारों पर बंदियों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं। राजनाथ सिंह और उनके साथियों का दावा है कि सावरकर ने एक निश्चित प्रारूप में एक सी याचिकाएं लिखी थीं। परन्तु तथ्य यह है कि उनकी सभी याचिकाओं की भाषा अलग-अलग है और उनमें इस आधार पर दया चाही गई है कि उन्होंने जो किया वह एक गुमराह युवा की हरकत थी। उन्होंने यह भी लिखा कि जो सजा उन्हें दी गई है वह न्यायपूर्ण और उचित है परन्तु उन्हें इसलिए रिहा लिया जाए क्योंकि उन्हें उनकी गलती का अहसास हो गया है और वे ब्रिटिश सरकार की जिस तरह से वह चाहे उस तरह से सेवा करने को तैयार हैं। यह घुटने टेकने से भी आगे की बात है। उन्होंने 1911 से दया याचिकाएं लिखनी शुरू कीं और यह सिलसिला जेल से उनकी रिहाई तक जारी रहा। उनकी पत्रों की भाषा और उनमें व्यक्त विचारों से पता चलता है कि कोई व्यक्ति कैद से मुक्ति पाने के लिए कितना झुक सकता है। कई लेखकों ने उनकी दया याचिकाओं को विस्तार से उद्दृत किया है। यह दावा कि ये याचिकाएं गांधी के कहने पर लिखी गईं थीं, सफ़ेद झूठ है। सावरकर ने 1911 से ही दया की गुहार लगाते हुए याचिकाएं लिखनी शुरू कर दीं थीं। उस समय गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में थे और वे 1915 में भारत वापस आये। धीरे-धीरे उन्होंने कांग्रेस का नेतृत्व सम्हालना शुरू कर दिया। इसी बीच गांधीजी को सावरकर के भाई डॉ. नारायण सावरकर का पत्र मिला, जिसमें गांधीजी से उनकी भाई को रिहा करवाने में मदद करने का अनुरोध किया गया था। इस पत्र के जवाब में गांधीजी ने 25 जनवरी 1920 को नारायण सावरकर को लिखा कि %आप एक याचिका तैयार करें जिसमें प्रकरण के सभी तथ्यों का उल्लेख हो और इस तथ्य को सामने लायें कि आपके भाई ने जो अपराध किया है वह विशुद्ध राजनैतिक है।% यह उत्तर %कलेक्ट्रेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी% के खंड 19 में संकलित है। अतः यह साफ़ है कि महात्मा गांधी ने सावरकर के भाई से याचिका तैयार करने को कहा था न कि सावरकर से दया याचिका प्रस्तुत को। परन्तु सावरकर ने तो दया की याचना कर ली। गांधीजी जानते थे कि सावरकर की रिहाई मुश्किल है और इसलिए उन्होंने डॉ सावरकर को लिखा था कि आपको सलाह देना एक कठिन काम है। बाद में गांधीजी ने एक लेख भी लिखा जो %कलेक्ट्रेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी%, खंड 20, पृष्ठ 369-371 में संकलित है। इसमें कहा गया है कि सावरकर को रिहा किया जाना चाहिए और उन्हें अहिंसक तरीकों से देश के राजनैतिक जीवन में भागीदारी करने का मौका मिलना चाहिए। आगे चलकर गांधीजी ने भगत सिंह के बारे में भी इसी तरह की अपील की थी। वे स्वाधीनता संग्राम को एक विस्तृत और समावेशी राष्ट्रीय आन्दोलन के रूप में देखते थे और इसलिए इस तरह के प्रयास करते रहते थे।

पूर्वी पड़ोस में नफरत की बयार

एक धर्मग्रंथ के कथित अपमान के बाद बांग्लादेश के चटगांव डिविजन के कमिला से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। दुर्गा पूजा के पंडालों के बाद अब हिंदू धर्मावलंबियों के घरों को भी निशाना बनाया जाने लगा है। बांग्लादेश की हुकूमत मामले की जल्द जांच कराने और दोषियों को सख्त सजा देने का वायदा लगातार कर रही है। मगर ऐसी बातें बहुत ज्यादा भरोसा नहीं पैदा कर पा रहीं, क्योंकि बांग्लादेश का मूल चरित्र इसकी मुखालफत करता है।

दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति का एक अहम तत्व है, अकलियतों को निशाने पर लेना। 1947 के बाद से वहां (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) अल्पसंख्यकों का एक तरह से धीमे-धीमे कत्लेआम किया गया है। 1951 की जनगणना में पाकिस्तान के इस हिस्से में हिंदुओं की आबादी लगभग 22 फीसदी थी, लेकिन अब बांग्लादेश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी घटकर करीब 8.5 प्रतिशत हो गई है। अगर वहां अल्पसंख्यक महफूज होते, तो उनकी आबादी का प्रतिशत या तो बाकी जनसंख्या के साथ बढ़ता या फिर उसमें कमी आती भी, तो वह बहुत मामूली होती। मगर पिछले सात दशकों का दमन ही है कि वहां के अल्पसंख्यक जलावतन को मजबूर हैं। आलम यह है कि अकलियतों को निशाना बनाया जा रहा है, उनकी संपत्ति हथियाई जा रही है और उन पर तमाम तरह के जुल्म ढाए जा रहे हैं। तरक्की और जनसंख्या को काबू में रखने के बांग्लादेश के दावे के पीछे भी यही गणित है। अगर अल्पसंख्यकों की आबादी लगभग 15 फीसदी कम हो जाए, तो कुल जनसंख्या का प्रतिशत खुद-ब-खुद काफी अच्छा हो जाएगा। मगर मुश्किल यह है कि राजनीतिक, कूटनीतिक, या सियासी अवसरवादिता के कारण न तो स्थानीय स्तर पर और न वैश्विक मंचों पर इसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है। बांग्लादेश जब पाकिस्तान का हिस्सा था, तब वहां के पंजाबी और पठान अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते थे। पिछली सदी के 70 के दशक के मुक्ति युद्ध के बाद जब एक आजाद मुल्क के तौर पर बांग्लादेश उभरा, तब भी यह सिलसिला थमा नहीं और मुस्लिम बहुल बंगाली ऐसी हिमाकत करने लगे। यह स्थिति तब थी, जब भारत ने उसकी आजादी में निर्णायक भूमिका निभाई थी। वहां अक्सर बड़े पैमाने पर दंगे होते हैं। अल्पसंख्यकों को न पुलिस से कोई सुरक्षा मिलती है, न सरकार से और न ही अदालत से। पंजाबी और पठानों की तरह मुस्लिम बहुल बंगाली भी जमात-ए-इस्लामी व अन्य इस्लामी तंजीमों की मदद से अल्पसंख्यकों को नुकसान पहुंचाते रहे हैं। लिहाजा, कमिला तो सिर्फ एक बहाना है। वहां असल मकसद अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाना था। इसीलिए, धर्मग्रंथ की बेअदबी की कथित घटना को प्रचारित किया गया। इन्हीं सब वजहों से इस मुल्क ने बार-बार पलायन का सैलाब देखा है। वहां की जम्हूरी हुकूमत तो कभी-कभी अराजक तत्वों के खिलाफ काम करती हुई दिखती भी है, मगर जब वहां सैन्य शासक सत्ता सभालते हैं या इस्लाम-पसंद तंजीमों के हाथों में सत्ता-संचालन का काम आता है, तब हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं। अवामी लीग के साथ अच्छी बात यह रही है कि हिंदुओं के अपने पारंपरिक वोट बैंक को बनाए रखने के लिए यह कभी-कभी धार्मिक कट्टरता ओढ़े गुटों पर कार्रवाई करती दिखती है। हालांकि, खुद पार्टी के अंदर ऐसे तत्व सक्रिय रहे हैं, जो जमकर गुंडागर्दी करते थे, और सियासी मजबूरियों के चलते पार्टी आलाकमान को भी चुप्पी साधनी पड़ती है। आज भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। अपनी बहुसंख्यक आबादी को तुष्ट करने के लिए सरकार कई तरह के काम कर रही है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास भारत पर उंगली उठाने की वजहें तो हैं, पर वह अपने गिरेबान में झांकना पसंद नहीं कर रहीं। संभवतः इसकी वजह बांग्लादेश का एक इस्लामी राष्ट्र होना है। शेख हसीना ने इस्लामी तंजीमों के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, तो इसलिए नहीं कि वे अकलियतों को निशाना बनाती हैं, बल्कि इसलिए, क्योंकि इन तंजीमों का उभार उनकी अपनी राजनीति के मुफीद नहीं है। इसका लाभ भी उनको मिला है। न सिर्फ मुल्क के अंदर अमनपसंद लोगों ने, बल्कि भारत जैसे देशों ने भी उन पर भरोसा किया है। हालांकि, 2019 में जब भारत में नागरिकता संशोधन कंकी बहस तेज हुई, तब बांग्लादेश का रवैया हौसला बढ़ाने वाला नहीं था। यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के उन अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने की वकालत करता है, जो किसी न किसी कारण से अपनी मूल भूमि से भागकर यहां आए हैं। इसके अलावा, गैर-कानूनी रूप से यहां रहने वाले शरणार्थियों को वापस अपने मुल्क भेजने की जरूरत पर भी बल देता है। जाहिर है, इससे आर्थिक शरणार्थी बनकर आए उन लाखों-करोड़ों मुसलमानों को वापस लौटना होगा, जो रोजगार की तलाश में यहां हैं। बांग्लादेश इसी के खिलाफ है और इसके कारण दोनों देशों के रिश्तों में हाल के समय में खटास भी आई है।

ऐसे में, अच्छा तो यही होगा कि भारत सीएए और एनआरसी पर आगे बढ़े, ताकि बांग्लादेश में निशाना बनाए जा रहे हिंदू, बौद्ध जैसे अल्पसंख्यकों को राहत मिल सके। हालांकि, सीएए में 31 दिसंबर, 2014 तक की समय-सीमा मुकर्रर की गई है, यानी इसमें 2014 की 31 दिसंबर से पहले आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने की व्यवस्था है। तो क्या यह मान लिया जाए कि 2015 के बाद वहां अल्पसंख्यकों का दमन नहीं हुआ है? लिहाजा, सीएए में संशोधन की सख्त दरकार है।

चूंकि हमारी यह नीति है कि हम दूसरे देश के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देते, इसलिए हमारा दूसरा कदम यह हो सकता है कि हम गैर-कानूनी रूप से यहां मौजूद शरणार्थियों को जल्द से जल्द वापस भेज दें। बांग्लादेश से आने वाली आबादी को नियंत्रित करना इसलिए भी आसान है, क्योंकि वे बीच-बीच में सीमा पार जाकर अपने परिजनों से मिलते रहते हैं। हमारी हुकूमत चाहे, तो उनकी पहचान करके उन्हें फिर से भारत की सीमा में दाखिल होने से रोक सकती है। यह काम अविलंब करना होगा, क्योंकि गैर-कानूनी रूप से यहां मौजूद शरणार्थियों का बुरा असर हमारे पूर्वोत्तर के राज्यों पर भी पड़ता है।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

एचआईवी का टीका लगाने के साथ इम्युनोथेरेपी कराना भी बेहद जरूरी

एचआईवी (ह्युमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस) के उपचार के लिए यदि इसका टीका लगाने के साथ-साथ इम्युनोथेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाए, तो दवा का इस्तेमाल बंद करने के बाद भी इस वायरस के खिलाफ मरीज की रोग प्रतिरोधी क्षमता मजबूत बनी रह सकती है।

साइंस इम्युनोलॉजी पत्रिका में यह अध्ययन प्रकाशित किया गया है। एचआईवी से संक्रमित लोग अपने शरीर में वायरस की मात्रा को कम करने के लिए एचआईवी दवाओं का एक मिश्रण लेते हैं। इन दवाइओं को सामूहिक रूप से एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी कहा जाता है। जब ये दवाइयां चिकित्सक की सलाह के अनुसार निर्धारित रूप में ली जाती है, तो ये शरीर में वायरस की मात्रा को इतना कम कर देती हैं कि उनका पता भी नहीं लग पाता। ये दवाइयां रोजाना लेने की आवश्यकता होती है ताकि वायरस के स्वरूप बदलने और दवाइयों के खिलाफ उसकी प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने की संभावना कम हो। यदि शरीर में वायरस की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उसका पता ही नहीं चल पाए, तो यह संक्रामक नहीं रहता। हालांकि, सबसे प्रभावी एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी दवाइयां भी वायरस को पूरी तरह से खत्म करने में असमर्थ हैं। ऐसा इसलिए है कि एचआईवी, लिम्फोइड ऊतक जैसे शरीर के वैसे हिस्सों में छिप जाता है, जहां प्रतिरक्षा प्रणाली की पहुंच नहीं होती और वह उनकी रक्षा नहीं कर सकती। संक्रमित कोशिकाओं को ढूंढ कर और उन्हें खत्म करने वाली %किलर% टी कोशिकाएं, एचआईवी को आश्रय देने वाले शरीर के इन हिस्सों में पहुंचने में सक्षम नहीं है। वायरस के लगातार संपर्क में आने से किलर टी कोशिकाएं इतना थक सकती हैं कि वे अपना काम बेहतर तरीके से नहीं कर पातीं। थकी हुई किलर टी कोशिकाओं के कारण पीडी -1 नामक प्रोटीन इन कोशिकाओं की वायरस को समाप्त करने की गतिविधि को बंद कर देता है। किलर टी सेल की थकावट को दूर करने का एक तरीका पीडी-1 को इसकी गतिविधि बाधित करने से रोकना है, लेकिन यह वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधी क्षमता प्रणाली की प्रतिक्रिया नहीं बढ़ाता। दूसरी ओर, एचआईवी का टीका वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधी क्षमता को काफी हद तक बढ़ा देता है। यह जांच की गई कि क्या इन दो रणनीतियों को साथ अपनाकर एचआईवी संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है। इस सिलसिले में एचआईवी से काफी हद तक मेल खाने वाले एसआईवी से संक्रमित बंदरों का एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी से उपचार किया गया और उन्हें पीडी-1 को बाधित करने वाली एक दवा के साथ एसआईवी का टीका लगाया गया।

वायरस के लगातार संपर्क में आने से किलर टी कोशिकाएं इतना थक सकती हैं कि वे अपना काम बेहतर तरीके से नहीं कर पातीं। थकी हुई किलर टी कोशिकाओं के कारण पीडी -1 नामक प्रोटीन इन कोशिकाओं की वायरस को समाप्त करने की गतिविधि को बंद कर देता है। किलर टी सेल की थकावट को दूर करने का एक तरीका पीडी-1 को इसकी गतिविधि बाधित करने से रोकना है, लेकिन यह वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधी क्षमता प्रणाली की प्रतिक्रिया नहीं बढ़ाता। दूसरी ओर, एचआईवी का टीका वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधी क्षमता को काफी हद तक बढ़ा देता है।

इसके तहत यह पाया कि इससे शरीर के उन हिस्सों में भी वायरस के खिलाफ प्रतिक्रिया शुरू हो गई, जहां रोग प्रतिरक्षा क्षमता काम नहीं कर पाती। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि बंदरों की एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी रोके जाने के बाद भी उनके शरीर में वायरस के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बनी रही। इन बंदरों पर छह महीने तक नजर रखी गई और इस दौरान मिश्रित उपचार लेने वाला कोई भी बंदर एड्स से पीड़ित नहीं हुआ।

यह क्यों मायने रखता है?

दुनिया भर में 2020 में लगभग तीन करोड़ 80 लाख लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। अगर एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का उपचार नहीं किया जाता है, तो इससे प्रतिरक्षा प्रणाली पंगु बन सकती है। एचआईवी के उपचार के साथ सुलभता की समस्या जुड़ी है। इसकी दवाइयां हर रोज लेने की आवश्यकता होती है। वर्ष 2015 के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 35 वर्ष की आयु में एचआईवी से संक्रमित होने वाले व्यक्ति के लिए आजीवन एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी की लागत 3,58,380 डॉलर है और बहुत से लोगों के पास दैनिक एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी तक पहुंच नहीं है। भले ही एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी एचआईवी संक्रमण को पूरी तरह से दबा सकती है, लेकिन यह इसे ठीक नहीं करती है। हमेशा एक जोखिम होता है कि वायरस मौजूदा दवाओं के लिए प्रतिरोधी क्षमता विकसित करने के लिए अपना स्वरूप बदल सकता है।

अभी तक क्या जानकारी नहीं है?

एचआईवी को शरीर से पूरी तरह से समाप्त कर देना दैनिक एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी की आवश्यकता को खत्म करने का एक तरीका है, लेकिन जिस रणनीति को अपनाया जा सकता है, वह यह है कि संक्रमित कोशिकाओं पर नियंत्रण रखा जाए।

अब आगे क्या करना है? एक प्रकार की चिकित्सा पद्धति के इस्तेमाल से एचआईवी से पूर्ण रूप से छुटकारा नहीं पाया जा सकता। अध्ययन टीम वर्तमान में अन्य दवाओं के मिश्रण का परीक्षण कर रही है, ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली की पूरी क्षमता का पता लगाया जा सके और इलाज में आने वाली

एनीमिया से भी ज्यादा खतरनाक है अप्लास्टिक एनीमिया, जानें किस वजह से शरीर में नहीं बनता खून

उत्तरप्रदेश की एक युवती में हार्मोन और खून संबंधित दुर्लभ बीमारी मिलने से डॉक्टर परेशान हैं। केजीएमयू हिमैटोलॉजी विभाग के डॉक्टरों का दावा है कि अमेरिका के बाद एप्लास्टिक एनीमिया नाम की इस बीमारी का यह दुनियाभर में दूसरा मामला है। यूपी की इस युवती में हार्मोन और खून संबंधित दुर्लभ राबर्टसोनियन ट्रांसलोकेशन जनित एप्लास्टिक एनीमिया बीमारी मिली है। डॉक्टरों के अनुसार चौंकाने वाली बात यह है कि इस युवती में जेनेटिक्स बीमारी राबर्टसोनियन ट्रांसलोकेशन की वजह से एप्लास्टिक एनीमिया हुआ। यह केस स्टडी जरनल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। आइए जानते हैं आखिर क्या है अप्लास्टिक एनीमिया, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अप्लास्टिक एनीमिया-

अप्लास्टिक एनीमिया एक दुर्लभ और गंभीर स्थिति है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। इस अवस्था में आपका बोन मैरो नए ब्लड सेल्स का निर्माण नहीं कर पाता है। इसे मायेलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम भी कहा जाता है। इससे पीड़ित व्यक्ति को थकान अधिक महसूस होती है, संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और अनियंत्रित रक्तस्राव होता है। अप्लास्टिक एनीमिया खून की कमी से जुड़ी बीमारी है जिसमें शरीर में रक्त कोशिकाओं का निर्माण कम हो जाता है। इस रोग के लक्षण एकाएक सामने नहीं आते हैं लेकिन अगर इस रोग को अधिक समय तक इग ?नोर किया जाए तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं और व्यक्ति की मौत तक हो सकती है। कुछ वैज्ञानिक के अनुसार ऑटोइम्युन रोग के कारण भी अप्लास्टिक एनीमिया विकार विकसित होने का जोखिम बना रहता है। ऐसा, इसलिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बोन मेरो के भीतर स्टेम कोशिकाओं को क्षति पहुंचाने लगते है। कुछ लोगो में पुरानी बीमारी के इतिहास के होने की वजह से भी अप्लास्टिक एनीमिया के विकार का जोखिम बना रह सकता है।

कितने तरह का होता है अप्लास्टिक एनीमिया: अप्लास्टिक एनीमिया किसी भी उम्र और लिंग को हो सकता है। लेकिन सबसे ज्यादा इस रोग का खतरा टीनेज और 20 वर्ष की उम्र में अधिक बना रहता है। बता दें, पुरुषों और महिलाओं में इसका खतरा समान ही बना रहता है। अप्लास्टिक एनीमिया दो तरह के होते है- इन्हेरिटेड अप्लास्टिक एनीमिया खराब जीन की वजह से होता है और यह बच्चों और यंग एडल्ट्स में ही देखा जाता है। इस तरह के एनीमिया से व्यक्ति को ल्यूकेमिया और अन्य तरह के कैंसर होने का खतरा अधिक बना रहता है। अप्लास्टिक एनीमिया रोग हड्डियों में मौजूद बोन मैरो के अंदर पाई जाने वाली स्टेम सेल को नुकसान पहुंचने की वजह से होता है। बोन मैरो,में मौजूद स्टेम सेल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करती हैं, इनके क्षतिग्रस्त होने पर शरीर में लाल और सफ़ेद रक्त कोशिका व प्लेटलेट्स का निर्माण नही हो पाता। अप्लास्टिक एनीमिया रोग के प्रमुख कारण ये हैं-

- कीमोथेरेपी।
- कुछ खास दवाओं का अधिक उपयोग
- ऑटोइम्यून संबंधी समस्या
- वायरल इन्फेक्शन
- प्रेगनेंसी
- बेंजीन जैसे रसायनों की वजह से
- नॉनवायरल हेपेटाइटिस

अप्लास्टिक एनीमिया के लक्षण-

- सांस संबंधी समस्या
- थकान
- धड़कन का अचानक बढ़ जाना
- त्वचा का पीला पड़ना

हर शाकाहारी को जरूर खानी चाहिए ये चीजें

कोरोना वायरस महामारी के बाद से दुनिया में शाकाहारी भोजन के प्रति लोगों का झुकाव बढ़ा है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए ज्यादातर लोग शाकाहारी भोजन अपना रहे हैं। वहीं, फिटनेस के लिए भी वेजिटेरियन डाइट का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। शाकाहार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहार दिवस मनाया जाता है। आमतौर पर शाकाहार के बारे में कहा जाता है कि वेजिटेरियन्स में प्रोटीन की कमी होती है क्योंकि प्रोटीन का एक बड़ा हिस्सा नॉनवेज में होता है। ऐसे में वेजिटेरियन्स चिंता में पड़ जाते हैं कि क्या नॉनवेज न खाने की वजह से उन्हें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल पाएगा? अगर आपको भी ऐसा लगता है, तो हम आपको बता रहे हैं प्रोटीन से भरपूर चीजें और प्रोटीन के अलावा इन फूड्स में कई और जरूरी विटामिन्स हैं, जिनकी वजह से हर वेजिटेरियन को ये चीजें जरूर खानी चाहिए-

ड्राई फ्रूट्स

आप हर दिन काजू, बादाम, पिस्ता, अखरोट और मखाने का सेवन करेंगे, तो आपके शरीर में कभी भी प्रोटीन या अन्य विटामिन की कमी नहीं होगी।

दूध

दूध को कम्पलीट फूड कहा जाता है यानी ऐसे एक भी पोषक तत्व नहीं है, जो दूध में न हो। प्रोटीन और कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध जरूर पीना चाहिए।

दही

जिन लोगों को दूध पीने की आदत नहीं है, वे हर दिन एक कटोरी दही लंच में खा सकते हैं। इससे न सिर्फ इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि पेट में भी ठंडक पहुंचती है।

चने

चने को आप फ्राई करके या फिर स्प्राउट्स बनाकर रोजाना डाइट में शामिल कर सकते हैं। आपको रोजाना चना जरूर खाना चाहिए। इसे ब्रेकफास्ट में खाना सबसे अच्छा ऑप्शन है।

राजमा

राजमा प्रोटीन से भरपूर होता है। राजमा को उबालकर इसमें नमक, प्याज, टमाटर डालकर भी खा सकते हैं।

सोयाबीन

सोयाबीन का सेवन आप दाल, आटा, चाप और दूध इत्यादि रूपों में कर सकते हैं। सोयाबीन प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होता है।

गुलाब जामुन और रसगुल्ले खत्म होने के बाद बची हुई चाशनी का ऐसे करें इस्तेमाल

गुलाब जामुन और रसगुल्ले खाने में बहुत ही टेस्टी लगते हैं लेकिन गुलाब जामुन और रसगुल्ले खत्म होने के बाद इसकी बची हुई चाशनी आमतौर पर बेकार ही जाते हैं। ऐसे में चाशनी बनाने में चीनी का इस्तेमाल किया जाता है यानी चीनी भी बर्बाद होती है। आप अगर चाशनी को फेंकना नहीं चाहते, तो हम बता रहे हैं आपको ऐसे टिप्स जिससे आप इस चाशनी को कहीं और इस्तेमाल कर सकते हैं-

- बची हुई चाशनी से कई तरह की मिठाई बना सकते हैं। नानखटाई, बेसन की बर्फी, शक्करपारे, मीठी मठरी, बालूशाही, लड्डू, आटे के बिस्कुट, ड्राई फ्रूट्स आदि कई तरह की मिठाइयां बनाई जा सकती हैं।

- अगर पूरन पोली बनाने जा रहे हैं, तो भरावन के लिए दूसरी सामग्री के साथ चाशनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पुलाव बनाने के लिए चावल को चाशनी में कुछ देर भिगोकर रखने के बाद पका लें। इससे चावल और टेस्टी बनेगा।
- बची हुई चाशनी का बूरा भी बनाकर रख सकते हैं। इसके लिए चाशनी को तब तक पकाते रहें, जब तक चाशनी सूख न जाए। अब इसे सुखाकर पाउडर बना लें।
- चाशनी की चाय और शरबत भी बना सकते हैं।
- नाश्ते के लिए मीठा पराठा या पूरी बना सकते हैं। इसके लिए आटे या सूजी को चाशनी डालकर गूंद लें।
- सूखे मेवे को कैरेमल करने के लिए चाशनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। कढ़ाई में चाशनी और सूखे मेवे डालकर लगातार चलाते हुए पका लें। बाद में इसे उतारकर प्लेट में सेट होने के लिए रख दें अपनी मनचाही साइज मिठाई का स्वाद लें।

पिज्जा लवर्स! आपके बजट पर भारी नहीं पड़ेगा तवा ब्रेड पिज्जा, जानें इंस्टेंट रेसिपी

पिज्जा लवर्स को पिज्जा बेहद पसंद होता है लेकिन रोजाना पिज्जा खाना बजट पर भी भारी पड़ता है। ऐसे में हम आपको मिनी पिज्जा बनाने की रेसिपी बता रहे हैं, जिसे आप जब मन करे, बनाकर खा सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि इस ब्रेड पिज्जा को आप तवे पर आसानी से बना सकते हैं। आप इस हेल्दी रेसिपी को ब्रेकफास्ट में भी खा सकते हैं।

सामग्री-

6 ब्रेड स्लाइस, ब्राउन या वाइट
आधा कप स्वीट कॉर्न, उबले हुए
एक शिमला मिर्च, बारीक कटा हुई
एक प्याज, बारीक कटा हुआ
एक टमाटर, बारीक कटा हुआ
5 छोटे चम्मच मक्खन
एक कप मोजरेला चीज, कद्दूकस किया हुआ
एक चौथाई छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
6 चम्मच पिज्जा/टोमैटो सॉस
नमक स्वादानुसार

विधि-

सबसे पहले ब्रेड की स्लाइस पर मक्खनस लगा लें फिर इसपर टोमैटो/पिज्जा सॉस लगा लें।

इसके बाद इसपर शिमला मिर्च, टमाटर, प्याज डाल लें।

फिर इसपर स्वीट कॉर्न, काली मिर्च पाउडर और नमक छिड़क दें। इसके बाद चीज डाल दें।

इतनी तैयारी करने के बाद एक नॉनस्टिक तवे को मध्यम आंच में हल्का गर्म कर 1 से डेढ़ चम्मच मक्खन डालें। जब मक्खन गर्म हो जाए तो आंच को कम कर दें और तवे पर जितने ब्रेड पीस आ जाएं, उतने रख दें।

व्रत हो या शाम की चाय का मजा करना हो डबल, ट्राई करें आलू-पनीर कोफ्ता की ये टेस्टी रेसिपी

अगर आप घी नहीं लेना चाहते तो मूंगफली का तेल भी इसमें काम आ सकता है। अब कोफ्ता बॉल को थोड़ा सा दबाएं, चाहें तो इसे ऐसे ही तला जा सकता है, लेकिन प्रेस कर बीच में सूखे मेवे भी भरे जा सकते हैं। इन्हें तब तक तले जब तक यह क्रिस्पी सुनहरे भूरे न हो जाएं।

व्रत हो या शाम की चाय का मजा करना हो डबल, ट्राई करें आलू-पनीर कोफ्ता की ये टेस्टी रेसिपी

व्रत में फलाहार करना हो या फिर शाम की चाय का मजा दोगुना करना हो,आलू-पनीर कोफ्ता की ये टेस्टी रेसिपी आपकी दोनों ही जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकती है। इस रेसिपी में मुख्य इन्ग्रेडिएंट्स आलू और पनीर हैं। ये कोफ्ते बनाने में जितने आसान हैं खाने में भी उतने ही स्वादिष्ट लगते हैं। तो आइए देर किस बात की जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है आलू-पनीर कोफ्ता की ये टेस्टी रेसिपी।

आलू-पनीर कोफ्ता बनाने के लिए सामग्री-

- पनीर कद्दूकस -100 ग्राम
- उबले आलू- 2
- काली मिर्च पाउडर- 1/2 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टी स्पून
- हरी मिर्च कटी - 2

- मावा/खोया- डेढ़ टेबल स्पून
- हरा धनिया बारीक कटा
- कुट्टू का आटा - 2 टेबल स्पून
- बादाम- 5
- काजू - 5
- किशमिश - 1 टी स्पून
- घी

आलू-पनीर कोफ्ता बनाने का तरीका

आलू पनीर कोफ्ता बनाने के लिए सबसे पहले कद्दूकस किया हुआ पनीर और आलू लें। इन्हें अच्छी तरह से एक साथ मैश करने के बाद इनमें काली मिर्च और लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च, कुट्टू का आटा और खोया भी मिला दें। मावा/खोया ऑप्शनल हैं चाहें तो बिना इसके भी रेसिपी बनाई जा सकती है। अब इस मिश्रण को बारीक कटा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह से मिला लें।

शाकाहार के बारे में ये 5 बातें हैं पूरी तरह निराधार, जानिए इनकी सच्चाई

इसके बाद इस मिश्रण से कोफ्ते की गोलाकार बॉल बना लें। अब एक कढ़ाई लें और उसे गैस पर मीडियम आंच पर चढ़ाकर उसमें घी गर्म करें। अगर आप घी नहीं लेना चाहते तो मूंगफली का तेल भी इसमें काम आ सकता है। अब कोफ्ता बॉल को थोड़ा सा दबाएं, चाहें तो इसे ऐसे ही तला जा सकता है, लेकिन प्रेस कर बीच में सूखे मेवे भी भरे जा सकते हैं। इन्हें तब तक तले जब तक यह क्रिस्पी सुनहरे भूरे न हो जाएं। अब आपके कोफ्ते पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर में शाह के दौरे का आखिरी दिनःगृहमंत्री बोले-

दिल से खौफ निकाल दीजिए, मैं बिना बुलेट प्रूफ जैकेट के आपके बीच आया हूं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तीन दिन के दौरे जम्मू-कश्मीर पहुंचे गृहमंत्री शाह के टूर का आज आखिरी दिन है। उन्होंने श्रीनगर में सिविल सोसाइटी के लोगों से मुलाकात कर कहा कि आप लोग अब अपने दिनों से खौफ को निकाल दीजिए। कश्मीर अब तरक्की की राह पर है। मैं बिना बुलेट प्रूफ जैकेट के आपके बीच मौजूद हूं। आपसे दिल-खोलकर बात करने आया हूं। 70 साल तक यहां के युवाओं को उनका अधिकार नहीं मिला। अब उन्हें बराबरी का अधिकार मिलेगा।

शाह ने कहा कि फारुख साहब ने भारत सरकार को पाकिस्तान से बात करने की सलाह दी। मैं घाटी के युवाओं से बात करना चाहता हूं। मैंने घाटी के युवाओं के सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

खीर भवानी मंदिर में पूजा की

इससे पहले उन्होंने यहां के लोकप्रिय खीर भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा भी लगाई।

रविवार को शाह ने जम्मू का दौरा किया था। वे मकवाल बॉर्डर पहुंचे और यहां पर लोगों और सैनिकों से बातचीत की। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा भी थे।

राज्य में 12 हजार करोड़ का निवेश

शाह ने मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए जम्मू-कश्मीर के 7 हजार लोगों को नौकरी का अपॉइंटमेंट लेटर देने का ऐलान किया। वहीं प्रदेश में 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश आने की जानकारी भी दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 7 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने की बात कही। वहीं उज्जवला योजना समेत मोदी सरकार के डेवलपमेंट प्लान का भी जिक्र किया।

आर्टिकल 370 हटने से नया सफर शुरू हुआः शाह

अपने दौरे के दूसरे दिन शाह ने जम्मू में रैली को भी संबोधित किया। शाह ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद प्रदेश में विकास का नया सफर शुरू हुआ है। अब यहां किसी को डरने की जरूरत नहीं है। अब जम्मू के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। मौसम खराब होने के कारण शाह की रैली का स्थान बदला गया है। अब भगवती नगर की जगह उनकी रैली जम्मू यूनिवर्सिटी के जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में हो रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। हम ऐसी स्थिति बनाने चाहते हैं जिससे एक भी व्यक्ति की जान न जाए। आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए निर्माण कार्य शुरू हुए हैं। जम्मू में दो साल के अंदर मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी। कल हेलिकॉप्टर पॉलिसी की घोषणा हुई। अब जम्मू के हर जिले में हेलिपैड बनाए जाएंगे।

लालू परिवार में ड्रामा

तेज प्रताप की जिद थी कि पिताजी आएं तो धरने से उठूंगा, लालू-राबड़ी पहुंचे तो उनके पैर धुलाए और मान गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लालू प्रसाद यादव के पटना पहुंचते ही तेज प्रताप यादव ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। लालू के दोनों बेटों के बीच का विवाद सड़क पर आ गया। तेज प्रताप की जिद थी कि लालू उनके आवास पर आएं, लेकिन वह सीधा राबड़ी देवी के आवास चले गए। राबड़ी देवी के आवास पर जाकर अपने पिता से उन्होंने भेंट की, हालांकि उसके पहले भी वह कई विस्फोटक बयान, जैसे- मेरा राजद से नाता नहीं- दे चुके थे। राबड़ी के आवास से लौट कर तेज प्रताप यादव ने अपने सरकारी आवास के बाहर धरना दिया और छात्र जनशक्ति परिषद के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर खूब नारेबाजी की। जोर-जुलुम के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है जैसे नारे लगाए गए। आखिर, लालू जब राबड़ी के साथ उनके आवास पर मिलने आए, तो तेज माने। हालांकि, लालू गाड़ी में ही बैठे रहे और वहीं से वापस चले गए।

तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव पर कहा कि वे दूध पीते बच्चे नहीं हैं। उन्हें समझना चाहिए। हरियाणा के आदमी संजय यादव को यहां कोई पहचानता नहीं है। इसके बावजूद ऐसे लोगों को साथ लेकर वे चल रहे हैं। ऐसे लोगों को साथ लेकर चलेंगे तो कैसे काम चलेगा? उन्हें सबको साथ लेकर चलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पार्टी को हाईजैक कर लिया और बर्बाद करने का काम कर रहे हैं। इस तरह का रवैया रहा तो जिसको हम अपना अर्जुन कहते हैं, वह गद्दी पर कभी बैठ नहीं पाएगा। उसे प्रॉब्लम हो जाएगी।

लालू-राबड़ी आए, तब शांत हुए तेज प्रताप

इसके बाद रविवार देर रात लालू प्रसाद और राबड़ी देवी तेज प्रताप यादव के आवास पर पहंचे। तब जाकर उनका गुस्सा शांत हुआ। तेज प्रताप यादव ने लालू प्रसाद के पैर पानी से धोए। तेज प्रताप दूध से भी पैर धोना चाहते थे, लेकिन उन्हें मना कर दिया गया। इस बीच कुछ देर तक कार में ही लालू प्रसाद बैठे रहे और फिर वापस राबड़ी आवास चले गए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में विश्वविद्यालय को फिर से खोलने की मांग को लेकर अपने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

भाजपा सांसद के बिगड़े बोलःमॉल के उद्घाटन पर संजय पाटिल ने कहा-

ईडी मुझपर छापा नहीं डालेगी, क्योंकि मैं भाजपा का सांसद हूं...

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महाराष्ट्र के सांगली में भाजपा सांसद ने एक विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (श्वष्ठ) उनके पीछे नहीं पड़ेगा क्योंकि वो सत्ताधारी पार्टी के सांसद हैं। यह बयान उन्होंने यहां एक मॉल के उद्घाटन पर दिया। उन्होंने कहा कि दिखावा करने के लिए हमें 40 लाख रुपए की महंगी कार खरीदने के लिए कर्ज लेना पड़ता है। हमने कितना कर्ज ले रखा है, यह अगर ईडी ने देख लिया तो हैरान हो जाएगी। पाटिल ने ये भी कहा कि मैं सच बता रहा हूं। अगर मेरी बात रिकॉर्डिंग में भी आ गई तो भी मुझे कोई परेशानी नहीं है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी के नेतृत्व वाली सरकार लगातार आरोप लगाती रही है कि केंद्र सरकार विपक्ष के नेताओं के खिलाफ सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। पिछले महीने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हर्षवर्धन पाटिल ने भी विवादित बयान दिया था। हर्षवर्धन पाटिल ने कहा था कि अब वो चैन से सो पाते हैं क्योंकि अब केंद्रीय जांच एजेंसियां उनसे पूछताछ करने नहीं आती हैं। एक कार्यक्रम के दौरान हर्षवर्धन पाटिल ने कहा था, हमें भी भाजपा में जाना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

ईरानी गवर्नर को थप्पड़ : हमलावर इस बात से खफा था कि उसकी पत्नी को कोविड वैक्सीन पुरुष ने क्यों लगाई

तेहरान। उत्तर-पश्चिमी ईरानी प्रांत अजरबैजान के नए गवर्नर अबेदिन खोर्रम को एक नाराज व्यक्ति ने स्टेज पर चढ़कर थप्पड़ मार दिया। ये घटना शनिवार की है जब गवर्नर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम चल रहा था। ईरान के सरकारी टेलीविजन IRIB की रिपोर्ट में इसकी वजह बताई गई है। इसमें कहा गया कि आरोपी की पत्नी को किसी महिला की बजाय पुरुष मेडिकल स्टाफ ने कोविड-19 की वैक्सीन लगाई थी। वह इससे खफा था। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले का मकसद आपसी मसला था। इसका गवर्नर की नियुक्ति से कोई लेना-देना नहीं है।

घटना का फुटेज वायरलः- इस घटना का एक फुटेज सामने आया है। सोशल मीडिया पर भी यह फुटेज वायरल हो रहा है। 23 अक्टूबर के इस फुटेज से पता चलता है कि तबरीज़ शहर में अबेदीन खोर्रम भाषण के लिए मंच पर पहुंचे थे। कुछ देर बाद एक अज्ञात व्यक्ति स्टेज पर आया और बिना किसी चेतावनी के थप्पड़ मार दिया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने हमलावर को पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए बगल के दरवाजे से बाहर कर दिया। कुछ देर बाद खोर्रम दोबारा स्टेज पर लौट आए।

हमलावर को नहीं जानते खोर्रमः- खोर्रम ने वहां मौजूद लोगों से कहा कि वह हमलावर को नहीं जानते। खोर्रम ने कहा, %जब मैं सीरिया में था तो मुझे दिन में 10 बार पीटा जाता था। 10 से ज्यादा बार, वे मेरे सिर पर एक लोडेड गन रखते थे। मैं हमलावर को उन दुश्मनों की तरह मानता हूं, लेकिन उसे मैं माफ करता हूं। IRNA स्टेट न्यूज एजेंसी ने बताया कि हमलावर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के आशूरा कॉर्प का मेंबर था और शायद यह हमला एक व्यक्तिगत विवाद के चलते किया गया था। इस मामले की जांच की जा रही है।

खोर्रम को सीरिया में किडनेप किया थाः- मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अबेदिन खोर्रम पार्लियामेंट्री रिवोल्यूशनरी गार्ड में रह चुके हैं। 2013 में सीरिया में रिबेल फोर्सेज ने उन्हें 48 अन्य ईरानियों के साथ किडनेप कर लिया था। अबेदिन खोर्रम को राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने 17 अक्टूबर को गवर्नर नियुक्त किया था।

दिल्ली में सोमवार को 67वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स दिए गए हैं। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने विजेताओं को पुरस्कार दिए। कंगना रनोट को उनकी फिल्म मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी और पंगा में अपनी परफॉरमेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया है। वहीं, मनोज वाजपेयी को भोंसले और धनुष को असुरन के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड ज्वाइंट तौर पर दिया गया है।

आर्यन को अगर 29 अक्टूबर तक हाईकोर्ट से बेल नहीं मिली तो 15 नवंबर तक जेल में रहना पड़ सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आर्यन खान की जमानत अर्जी पर 26 अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। अब तक उनकी जमानत स्पेशल NDPS कोर्ट और सेशन कोर्ट से खारिज हो चुकी है। अगर हाईकोर्ट अगले चार दिनों में 29 अक्टूबर तक जमानत पर कोई फैसला नहीं देता है तो आर्यन को कम से कम 15 नवंबर तक जेल में ही रहना पड़ सकता है। आर्यन के मामले में आगे की राह कितनी आसान या मुश्किल है, उस पर दैनिक भास्कर ने कानून के विशेषज्ञों से बातचीत की। सीनियर एडवोकेट उज्जवल निकम, बॉम्बे हाईकोर्ट एडवोकेट सबीना बेदी सच्चर और सीनियर एडवोकेट आदित्य प्रताप ने सिलसिलेवार कोर्ट की आगे बन सकते वाली परिस्थितियों का एनालिसिस किया है।

हाईकोर्ट में फिलहाल ये है स्थिति

20 अक्टूबर को ह्लष्ठक्क कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद इसी दिन हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। हाईकोर्ट ने सुनवाई के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की है। इसे लेकर तीन तरह की कंडीशन बन रही हैं। कंडीशन 1 - 26 से 29 अक्टूबर तक हाईकोर्ट आर्यन की जमानत याचिका पर सुनवाई करे। 29 या इससे पहले जमानत याचिका को मंजूर कर ले। तब आर्यन 29 से 30 अक्टूबर तक अपने घर जा सकते हैं। कंडीशन 2 - 26 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई में आर्यन के वकील जमानत की मांग करेंगे, लेकिन ह्लष्ठक्कपिछले 3-4 दिनों में हुए नए प्रकरणों और आर्यन की चैट के आधार पर जेल कस्टडी की ही मांग करेगी। सुनवाई एक दिन में हो जाए, इसकी संभावना कम है क्योंकि बहस लंबी चल सकती है।

कोरोना का नया वैरिएंट एवाई-4

इंदौर के 7 मरीजों के सैंपल में पुष्टि; एक्सपर्ट की चेतावनी- पुराने वैरिएंट से ज्यादा तेजी से फैल सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंदौर में कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का नया स्वरूप एवाई -4 मिला है। सात मरीजों के सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग में यह वैरिएंट सामने आया है। हालांकि इस वैरिएंट को लेकर फिलहाल दुनिया भर में रिसर्च चल रही है। ऐसे में इसके नेचर को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन कई एक्सपर्ट ने इस वैरिएंट की संक्रामक क्षमता को पुराने वैरिएंट से तेज बताते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। इंदौर में सितंबर में 7 लोग कोरोना पीड़ित पाए गए थे। इन सभी के सैंपल 21 सितंबर को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे। जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट दिल्ली की ह्लष्ठष्ट लैब ने हाल ही में दी है।

महाराष्ट्र में अप्रैल में मिला था यह वैरिएंटः- डेल्टा के इस नए वैरिएंट एवाई-4 की जानकारी देश में सबसे पहले अप्रैल में महाराष्ट्र में मिली थी। अब इंदौर में इससे संक्रमित मरीज मिले

हैं। हालांकि अब इंदौर के सभी मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हैं और इन्हें या इनसे किसी को खतरा नहीं है। इंदौर में इस महीने मिली जीनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट में जिन लोगों में यह वैरिएंट मिला है, उनमें से 2 न्यू पलासिया, एक दुबे का बगीचा, तीन महू और एक अन्य जगह का रहने वाला है। नोडल अधिकारी डॉ. अमित मालाकार ने बताया कि ये सभी लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं। एवाई-4 वैरिएंट की ट्रांसमिशन कैपेसिटी कितनी है, इस पर विश्व में अभी रिसर्च चल रही है। इसलिए कुछ भी कहना ठीक नहीं है, लेकिन फिलहाल घबराने जैसी स्थिति नहीं है।

इन्फेक्टिविटी रेट ज्यादा होने से सावधानी की जरूरतः- डॉ. रवि डोसी के मुताबिक, एवाई-4 अधिक संक्रामक वायरस है। इसका इन्फेक्टिविटी (संक्रामकता) रेट ज्यादा होता है। ऐसे में लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। लोगों को चाहिए कि भीड़ में न जाएं और मास्क पहने रखें। अभी सोशल डिस्टेंसिंग नहीं रख रहे लोगों को इसका ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि त्योहार नजदीक है। बहुत जरूरी है, तो ही बाहर जाएं। प्राथमिक तौर पर जिन लोगों में यह वैरिएंट पाया जा रहा है, उन्हें कोविड सेंटर में क्वारैंटाइन कराना चाहिए। डॉ. डोसी के मुताबिक, किसी भी नए वैरिएंट की जानकारी उसके चलन में आने के एक महीने बाद मिलती है। अभी कुछ भी कहना, बहुत जल्दबाजी होगी। वैसे वैक्सीन के बाद भी इन्फेक्शन हो सकता है। डेल्टा वैरिएंट में भी यह देखा गया था।

गोरखपुर पहुंचने पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी करते हुए।

न्यूज ब्रीफ

ला लिगा : रीयाल मैड्रिड से 'क्लासिको में हारी बार्सीलोना

बार्सीलोना। लियोनेल मेस्सी के जाने के बाद रीयाल मैड्रिड के खिलाफ ला लिगा के पहले 'क्लासिको मैच में बार्सीलोना को 2.1 से पराजय झेलनी पड़ी जिसके बाद नाराज दर्शकों ने कोच रोनाल्ड कोमैन की कार को घेर लिया और उनके खिलाफ नारे भी लगाए। कोरोना महामारी के बाद यह पहला क्लासिको था जो 86000 दर्शकों के सामने खेला गया। कोच के साथ हुई बदसलूकी की क्लब ने निंदा की है और भविष्य में ऐसी घटना का दोहराव नहीं होने के लिये कड़ी कार्रवाई की बात भी कही है। बार्सीलोना इस सत्र में बड़े प्रतिद्वंद्वियों से सारे मैच हार चुकी है। क्लब की आर्थिक अड़चनों के कारण मेस्सी और अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी चले गए। अब टीम ला लिगा में शीर्ष पर काबिज रीयाल सोशिदाद से छह अंक पीछे नौवे स्थान पर है। मैड्रिड दूसरे स्थान पर है जबकि सोशिदाद ने एटलेटिको मैड्रिड से 2.2 से ड्रॉ खेलकर शीर्ष स्थान कायम रखा।

मास्टर्स चैंपियन मात्सुयामा ने जोजो गोल्फ चैम्पियनशिप का खिताब जीता

चीबा (जापान)। मास्टर्स चैम्पियन हिदेकी मात्सुयामा ने चौथे दौर के आखिरी नौ होल में तीन बर्डी और एक ईगल लगाकर पांच अंडर 65 के स्कोर के साथ पीजीए टूर जोजो गोल्फ चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने 18वें होल में ईगल लगाकर 5 शॉट के बड़े अंतर से शानदार जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। जापान में पीजीए टूर में यह उनका पहला खिताब है। अमरीका के दो खिलाड़ी ब्रैंडन स्टील और कैमरन ट्रिंग 10 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। स्टील ने चौथे दौर में 66 जबकि ट्रिंग ने 69 का कार्ड खेला। ब्रिटिश ओपन चैम्पियन कोलिंस मोरिकावा ने आखिरी दौर में 69 का कार्ड खेला और वह मात्सुयामा से 10 शॉट पीछे संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे। ओलिम्पिक चैम्पियन जेंडर शॉफेले ने 68 का कार्ड खेला और पार स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 28वें स्थान पर रहे।

धोनी के मैसेंजर की कोहली ने नहीं सुनी:ईशान अंदर की खबरें बाहर और बाहर की खबरें अंदर लाते रहे, लेकिन कोहली अपनी ही हांकते रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के मैच में दो दिमाग चल रहे थे। एक मेंटर महेंद्र सिंह धोनी और दूसरा कप्तान विराट कोहली का। मैदान पर बार-बार इन दोनों की बातें एक-दूसरे से साझा होती रहीं। बार-बार एक मैसेंजर मैदान में आता रहा। कोहली से धोनी की बात कहता रहा, लेकिन कोहली ने सुनने के बजाए अपनी ही सुनाते रहे। ऐसा पूरा मैच देखकर हमें लगता है। हमें नहीं पता है कि कोहली और धोनी के बीच क्या बात हुई, लेकिन मैच के दौरान जो दिखा हम वही यहां पर रख रहे हैं।

ईशान किशन धोनी और कोहली के मैसेंजर थे। जब भी ओवर पूरा होता, या मैचे में ऐसा कोई लम्हा आता कि स्टैंड से कोई भागकर मैदान में आया तो सिर्फ ईशान किशन आए। कोहली लगातार उनके जरिए अपना मैसेज धोनी के पास पहुंचाते नजर आए। धोनी की ओर से कोहली को ये तक बताते देखा गया कि मैच में अगला कदम क्या उठाना है।

हालांकि, इस दरम्यान कोहली को लगातार अपने फैसले ही करते हुए देखा गया। एक समय था जब लग रहा था भारत-पाकिस्तान मैच में भारत मजबूत स्थिति में है। उस वक्त कोहली और पंत अच्छी बैटिंग कर रहे थे। तब अचानक ईशाान किशन को मैदान पर पानी लेकर आते देखा गया। तब धोनी की ओर से कुछ मैसेज आया हुआ था। उसका जवाब देते हुए कोहली खुद अपना फैसला थोपने लगे। कोहली ने बताया कि अगर राइट हैंडर विकेट गिरता है तो राइट हैंडर हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत आउट होते हैं तो लेफ्ट हैंडर रवींद्र जडेजा को आना चाहिए। हुआ भी यही। जब पंत आउट हुए तब रवींद्र जडेजा आए।

ईशान ने कोहली से कुछ कहा और वो चौका लगाने लगे

ईशान आए और कोहली से कुछ बोले। उधर हार्दिक स्टैंड में खड़े होकर बाहें फड़का रहे थे। फिर कोहली ने चौका लगाया। शायद ऐसे मैसेज आए थे अब 15 ओवर हो चुके हैं। अब तेज खेला जाएग;, क्योंकि अब भी पंड्या बैठे हुए हैं, लेकिन कोहली और जडेजा वो गति नहीं पकड़ पाए। आखिर में छक्का मारने के चक्कर में जडेजा 18वें ओवर में आउट हुए।

किशन फील्डिंग के लिए आए

जब फील्डिंग की बारी आई तो हार्दिक के कंधे में चोट थी। तब धोनी ने सबसे ज्यादा भरोसा किया ईशान किशन पर। वो फील्ड पर बने रहे। हालांकि, तब भी कोहली ने शुरुआत के चार लगातार ओवर चार अलग-अलग बॉलर्स भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती से फिकवाए। नतीजा ये निकला कि पाकिस्तान का एक भी विकेट नहीं गिरा। धोनी का ये मैसेज भी काम न आया।

किंग कोहली का गुस्सा:हार के बाद पाकिस्तानी पत्रकार पर बौखलाए, बोले-

क्या मैं रोहित शर्मा को टीम से बाहर कर दूं?

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शारजाह

पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली पहली हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली पाकिस्तानी पत्रकार पर भड़क गए। पत्रकार ईशान किशन और रोहित शर्मा को लेकर सवाल कर रहा था। इसी सवाल पर कोहली को गुस्सा आ गया। बता दें, वर्ल्ड कप से पहले खेले गए वार्म अप मैच और IPL के आखिरी मैचों में ईशान के बल्ले से खूब रन निकले थे। आइए आपको बताते हैं विराट कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या कहा।

सवाल: क्या अगले मैच में रोहित शर्मा की जगह ईशान किशन खेलेंगे ?

जवाब: क्या आप सच में चाहते हैं कि मैं रोहित शर्मा को टी-20 टीम से बाहर कर दूं। रोहित शर्मा ? यदि आप कुछ कंट्रोवर्सी चाहते हैं तो आप मुझे बता सकते हैं। मैं उसी के अनुसार इसका उत्तर दूंगा। (इसके बाद विराट अपना सिर पकड़कर हंसने लगे।)

सवाल: क्या पाकिस्तान ने आज हर मामले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया ?

जवाब: हमारी टीम हर टीम का सम्मान करती है। इसमे कोई शक नहीं है कि पाकिस्तान ने आज हमसे बेहतर खेला है। कोई भी टीम 10 विकेट से ऐसे ही नहीं जीत जाती है। उनको श्रेय देना जरूरी है। हमने उन पर दबाव बनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे हमसे हर मामले में बेहतर खेले। इसकी कोई गारंटी नहीं कि हमें हर मैच में जीत ही मिलेगी। हमने अपनी स्थिति के हिसाब से अच्छा स्कोर बनाया था। उन्हें इस मैच को शानदार अंत देने के लिए श्रेय दिया जाना चाहिए।

सवाल: क्या परिस्थितियों का बदलना और पहले दो विकेट को जल्दी खो देना टीम को महंगा पड़ा ?

जवाब: पाकिस्तान की बल्लेबाजी के दौरान ओस गिरनी शुरू हो गई। इस कारण उन्हें काफी फायदा मिला। हम अगर 20-25 रन और ज्यादा बना देते तो शायद हम मैच में और मजबूती से खड़े होते। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की और उन्होंने ऐसा नहीं होने दिया। टॉस भी मैच में अहम भूमिका निभाता है। हम टॉस भी हारे पाकिस्तान की टीम ने हमें हर क्षेत्र में पीछे किया।

सवाल: अगले मैच के लिए काफी समय का गैप है, क्या आपको नहीं लगता इतने बड़े टूर्नामेंट में इतने लंबे गैप का असर पड़ेगा ?

जवाब: हम अब टूर्नामेंट में सकारात्मक नजरिए से आगे बढ़ेंगे। हमें हार पर समीक्षा करने का समय मिलेगा। मुझे नहीं लगता इसका कोई असर पड़ेगा।

मैच हारे, दिल जीता

कोहली ने रिजवान को लगाया गले, धोनी से मिले मलिक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया और मैच खत्म होने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत और गले लगते नजर आए। मैच खत्म होने के बाद आई इन तस्वीरों ने सभी का दिल जीत लिया। इंडियन कैप्टन विराट कोहली ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को जीत की बधाई दी। बधाई देते-देते उन्होंने बाबर आजम को गले भी लगा लिया। विराट का ये अंदाज सबको भा गया। क्रिकेट फैंस इसकी तारीफ कर रहे हैं। इंडिया ही नहीं, पाकिस्तान के फैंस भी इन तस्वीरों को शेयर कर रहे हैं।

हर्षा भोगले ने कहा- यह खेल की सच्चाई है:- क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने ट्वीट करके कहा कि यह खेल की सच्चाई है। उन्होंने लिखा- विराट, रिजवान और बाबर के बीच बातचीत और और पाकिस्तान के कुछ युवा खिलाड़ियों को धोनी के साथ देखकर काफी अच्छा लगा। यह नजारा हर तरह के प्रचार और पॉस्चरिंग से परे था।

फैंस बोले- यह स्पिरिट ऑफ क्रिकेट

पाकिस्तान के फैंस ने ट्वीट करते हुए लिखा कि यही स्पिरिट ऑफ क्रिकेट है। कुछ पाकिस्तान के चाहने वालों ने ट्वीट करके कहा कि हम धोनी और कोहली को प्यार करते हैं। वो कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों के आइडल हैं।

दुबई। विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच से पहले घुटने के बल बैठकर 'ब्लैक लाइव्स मैटर% आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। रोहित शर्मा और केएल राहुल के बल्लेबाजी के लिये उतरने से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने टीम डगआउट के बाहर घुटने के बल बैठकर इस वैश्विक मुहिम को समर्थन दिया। पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने अपने दिल पर हाथ रखकर मुहिम को समर्थन दिया।

पाक ने सभी को अपने उपर ध्यान देने के लिए मजबूर कर दिया : आशीष नेहरा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ शानदार जीत के साथ सभी को अपने प्रदर्शन पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर दिया है। विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान भारत से कभी नहीं जीता था लेकिन बाबर आजम की कप्तानी में टीम ने 10 विकेट से बड़ी और ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए हार के क्रम को तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद भारत की शुरूआत खराब रही और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाजी के कारण टीम 151/7 पर सिमट गई जिसके बाद पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद

रिजवान ने नाबाद अर्धशतकों की मदद से लक्ष्य 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। आशीष नेहरा ने कहा, जो लोग पहले से ही उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पसंदीदा नहीं मान रहे थे, वे पाकिस्तान को कम आंक रहे थे और आप टी20 की बात कर रहे हैं। उनके पूल में तीन मजबूत टीमें भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड हैं। लेकिन टी20 में कोई भी किसी को भी मात दे सकता है। जिस तरह से पाकिस्तान जीता, लोग खड़े होंगे और नोटिस करेंगे। खेल में ओस के प्रभाव के बारे में नेहरा ने कहा, ओस कारक और पिच बल्लेबाजी करने के लिए बेहतर हो गई, उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। इसलिए आपको बस आज पाकिस्तान के खेलने के तरीके की तारीफ करनी होगी। विराट कोहली की कप्तानी के बारे में मैं केवल इतना कहूंगा कि वह मोहम्मद शमी को लगातार दो ओवर (पावरप्ले में) दे सकते थे, लेकिन कप्तान के लिए भी यह आसान नहीं है क्योंकि पहले तीन ओवरों में कोई विकेट नहीं था, इसलिए उन्होंने वरुण चक्रवर्ती को भी आजमाया जो एक्स-फैक्टर हो सकते थे, लेकिन वह शमी के पास वापस गए और फिर छठा ओवर भुवनेश्वर कुमार को दिया। मूल रूप से पाकिस्तान ने भारत को मौका नहीं दिया। उनकी गेंदबाजी से लेकर उनकी फील्डिंग और बल्लेबाजी तक उन्होंने

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

दूसरी तिमाही में उद्योगों को दम

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजों की शुरुआत भारतीय उद्योग जगत के लिए उत्साहजनक रही है। धातु एवं ऊर्जा कंपनियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। लेकिन जिंसों और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों की वजह से विनिर्माताओं और उपभोक्ता कंपनियों के मार्जिन में कमी देखी जा रही है। दूसरी तिमाही में अब तक जारी नतीजों में से 222 कंपनियों का समेकित शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के 65,550 करोड़ रुपये के मुकाबले 24.1 फीसदी बढ़कर 70,400 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इन कंपनियों का समेकित मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 90 फीसदी बढ़ा है। अब तक नतीजे जारी करने वाली कंपनियों की एकीकृत शुद्ध बिक्री चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 29.6 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये रही। पहली तिमाही में इन कंपनियों का समेकित बिक्री 4.84 लाख करोड़ रुपये ही थी। आय और मुनाफे में बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेल एवं गैस तथा धातु एवं खनन कंपनियों के साथ ही टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अब तक नतीजे जारी करने वाली कंपनियों के नमूने की कुल एकीकृत आय में लगभग समूची वृद्धि इन तीन क्षेत्र की कंपनियों की वजह से ही आई है। दूसरी ओर विनिर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों की बिक्री तथा मार्जिन में कमी आई है। बैंक, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र की सकल ब्याज आय में भी नरमी का रुख रहा जबकि परिचालन खर्चों जैसे वेतन-भत्ते आदि में इजाफा हुआ है।

देशी ट्विटर के बढ़ रहे यूजर्स

ट्विटर के ऑप्शन कू को तेजी से अपना रहे है लोग, ऐप ने 20 महीने में 1.5 करोड़ यूजर्स के आंकड़े को पार किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

स्वदेशी ऐप कू ने भारत में बीते साल लॉन्च हुआ और 20 महीने में ही इस ऐप ने 1.5 करोड़ (15 मिलियन) यूजर बेस तैयार कर लिए हैं। भारत के केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न सरकारी मंत्रालय और विभागों का सपोर्ट प्राप्त होने के बाद ऐप पर यूजर्स की संख्या में अच्छी खासी संख्या बढ़ रही है। बताते चलें कि यह एक भारतीय माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म है और ट्विटर का भारत में सबसे बड़ा कंपटीटर है।

कू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के को-फाउंडर अप्रमेय राधाकृष्ण ने बताया है कि इस साल की तीसरी तिमाही में ऐप के 5 मिलियन (50 लाख) यूजर्स हो गए थे। साथ ही अब यह ऐप भारत के अलावा दूसरे देशों में भी अपने प्लान को बढ़ाएंगे और वहां इस ऐप को लॉन्च करेंगे। अब कू ऐप को बनाने वाली कंपनी की योजना भारत

में ध्यान बनाए रखने के साथ-साथ जून, 2022 के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई बाजार में कदम रखने की भी है।

राधाकृष्ण का कहना है कि वे दक्षिण एशिया में भी प्रयोग करेंगे। हालांकि सबसे पहले किस देश से शुरू किया जाएगा, उस बात की जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन वे निश्चित रूप से अगले साल की दूसरी छमाही में एक नए बाजार में उतराने की योजना है।

नाइजीरिया में भी इस्तेमाल हो रहा कू ऐप

बताते चलें कि कू ऐप सिर्फ भारत में ही नहीं है बल्कि यह नाइजीरिया में भी उपलब्ध है। इस स्टार्टअप ने इस साल की शुरुआत में ही वहां कदम रखा है और वहां भी इस ऐप को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। राधाकृष्ण का कहना है कि वह इस समय नाइजीरिया के सांस्कृतिक पहलुओं को समझने की कोशिश में लगे हुए हैं।

बीते साल शुरू हुआ था ऐप

इस ऐप को राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने साल 2020 के मार्च महीने में शुरू किया था। लॉन्चिंग के सिर्फ 18 महीने में ऐप ने 1 करोड़ यूजर का आंकड़ा पार कर लिया था।

गुजराती और पंजाबी भाषा में मिलेगा

इसे 2020 के लिए गूगल प्लेस्टोर का डेली इस्तेमाल होने वाला पॉपुलर ऐप का नॉमिनेशन मिला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात संबोधन में इसका विशेष उल्लेख किया था। फरवरी और अगस्त 2021 के बीच डाउनलोड काफी तेजी से बढ़े थे। कू ऐप में गुजराती और पंजाबी भाषा का भी सपोर्ट मिलता है। वर्तमान में कू ऐप 8 भाषाओं हिंदी, कन्नड़, मराठी, तमिल, तेलुगु, असमिया, बांग्ला और अंग्रेजी में उपलब्ध है।

मिश्रित उर्वरक की कमी अभी बने रहने के आसार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रबी की फसल की बुआई जोर पकड़ने वाली है, ऐसे में डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) की कमी का दबाव एनपीके, एमओपी और अन्य श्रेणी के मिश्रित उर्वरकों पर पड़ सकता है। व्यापार और उद्योग के सूत्रों ने कहा कि सरकार की सब्सिडी नीति डीएपी के पक्ष में है। वहीं गैर डीएपी मिश्रित उर्वरकों के विनिर्माताओं का मुनाफा प्रभावित होगा, अगर वे उत्पादन की बढ़ी लागत अंतिम उपभोक्ताओं यानी किसानों पर नहीं डालते हैं। देश में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा डीएपी का इस्तेमाल होता है। रबी सीजन की बुआई खासकर आलू और चने की बुआई में इसका बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। विभिन्न श्रेणी के नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी) और पोटैशियम (के) और म्यूरिएट आफ फास्फोरस (एमओपी) डीएपी के विकल्प हैं। डीएपीके में पोटैशियम की मात्रा बहुत मामूली और फास्फोरस पर्याप्त होता है। यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा सबसे ज्यादा होती है। डीएपी की कमी के कारण एनपीके और एमओपी की खुदरा कीमतें बढ़ गई हैं। उद्योग जगत का कहना है कि हाल के दौर के सब्सिडी समर्थन के बावजूद डीएपी की उपलब्धता अभी भी पर्याप्त नहीं है, जबकि ज्यादातर सब्सिडी डीएपी के लिए दी गई है। भारत में डीएपी की खपत का आधा उत्पादन घरेलू है। एनपीकेएस (एस यानी सल्फर) के मामले में 80-90 प्रतिशत उत्पादन भारत में होता है। जहां तक डीएपी का सवाल है, आंकड़ों से पता चलता है कि 30 सितंबर, 2021 तक , जब रबी की बुआई का सीजन शुरू होता है, भंडार में 20.7 लाख टन डीएपी था, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 59 प्रतिशत कम है। 30 सितंबर, 2021 को एनपीकेएस का स्टॉक 32.4 लाख टन था, जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत कमहै, जबकि एमओपी का स्टॉक 9,60,000 टन है, जो पिछले साल की तुलना में 53 प्रतिशत कम है।

दो नई आईपीएल टीमों से बीसीसीआई को मोटी कमाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की दो नई टीम फ्रैंचाइजी की सोमवार को नीलामी से देश की शीर्ष क्रिकेट संस्था-भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर धन की बारिश होगी। नए टीम मालिकों की घोषणा दुबई में सोमवार शाम को होगी। अनुमानों के मुताबिक बीसीसीआई को दो नई टीमों की बिक्री से 5,000 से 7,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होने का अनुमान है। इसके अलावा उसे 2022 के लिए प्रसारण एवं प्रायोजन राजस्व के अपने हिस्से के रूप में भी 450 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलेंगे

क्योंकि अगले साल से आईपीएल में मैचों की संख्या बढ़ जाएगी। इसकी वजह यह है कि दो नई टीमें आने के बाद कुल 10 टीम हो जाएंगी और मैचों की संख्या 60 से बढ़कर 74 हो जाएगी। डिज्नी प्लस हॉटस्टार को मैचों के सीधे प्रसारण एवं स्ट्रीमिंग के लिए 54.5 करोड़ रुपये प्रति मैच का भुगतान करना होगा। लेकिन बीसीसीआई और नए एवं पुराने दोनों फ्रैंचाइजी के लिए कमाई का तगड़ा मौका 2023 से आएगा। उस समय आईपीएल के मीडिया और डिजिटल अधिकार एक बार फिर पांच साल के लिए बेचे जाएंगे। नीलामी की प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगी, जिसमें दुनिया भर की शीर्ष कंपनियों के हिस्सा लेने के आसार हैं। जब टीम पहले से ज्यादा होंगी तो कमाई भी ज्यादा ही होगी। उद्योग और बीसीसीआई के कार्याधिकारियों का अनुमान है कि इस बार विजेता बोली की कीमत दोगुनी यानी 32,694 करोड़ रुपये हो जाएगी। पिछले पांच साल के अधिकार डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने 16,347.5 करोड़ रुपये की बोली लगाकर हासिल किए थे। अगर दोगुनी बोली का आंकड़ा हासिल हो गया तो केवल प्रसारण एवं डिजिटिल अधिकारों से राजस्व में ही हरेक फ्रैंचाइजी का हिस्सा मौजूदा 201.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 326.9 करोड़ रुपये हो जाएगा यानी इसमें सालाना 60 फीसदी की भारी-भरकम बढ़ोतरी होगी। इससे बीसीसीआई की सालाना कमाई भी बढ़कर 3,269 करोड़ रुपये हो जाएगी, जो मौजूदा कमाई से दोगुनी होगी। इसमें वह कमाई शामिल नहीं है, जो आईपीएल प्रायोजन राजस्व में बढ़ोतरी से उसे हासिल हो सकती है।

सितंबर में इक्विटी फंडों के जरिये 84 फीसदी एसआईपी निवेश

मुंबई। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) 37 लाख करोड़ रुपये वाले म्युचुअल फंड उद्योग के लिए कामयाबी के मुख्य आधार के तौर पर उभरा है। इसके जरिए निवेशक म्युचुअल फंड योजनाओं में तय अंतराल पर तय रकम निवेश करते हैं। ऐसा देखा गया है कि एसआईपी के जरिये आने वाला ज्यादातर निवेश इक्विटी योजनाओं के जरिए निवेशित हो रहा है। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों के लिए इसे सकारात्मक माना जा रहा है क्योंकि इक्विटी प्रॉडक्ट पर उन्हें बेहतर स्प्रेड हासिल हो जाता है। उद्योग निकाय एम्फी की तरफ से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि एसआईपी में हुए निवेश में इक्विटी योजनाओं की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी रही।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।